mediaauditornews@gmailcom Epaperdainikmediaauditorin वर्ष-06 अंक-135 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
17 मई 2026 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

'डार्लिंग तुम्हारे लिए पेपर आउट किया, आकर मिलो'

लखनऊ यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ने छात्रा को कॉल करके मिलने का दबाव बनाया; गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर परमजीत सिंह (50) को पुलिस ने शुक्रवार रात गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि प्रोफेसर ने बीएससी फाइनल ईयर की छात्रा को फोन किया और मिलने का दबाव बनाया। कहा, 'डार्लिंग, तुम्हारे लिए पेपर आउट करा दिया है। एग्जाम से पहले घर से आ जाओ। यहां पेपर तुम्हें दे देते हैं।'

फोन कटने पर छात्रा कहती है- ये मुझे बुला रहे हैं। मुझे पेपर नहीं चाहिए। मुझे फिर से मोलेस्ट (उत्पीड़न) करना चाहते हैं। आरोपी ने 14 और 15 मई की रात छात्रा को फोन किया। छात्रा ने बातचीत रिकॉर्ड कर ली और फिर वायरल कर दी।

शुक्रवार को ऑडियो सामने आने के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने असिस्टेंट प्रोफेसर के खिलाफ जांच बैठाई। यूनिवर्सिटी ने देर शाम हजरतगंज थाने में प्रोफेसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। ऑडियो क्लिप भी दी।

इसके बाद पुलिस ने आरोपी प्रोफेसर को देर रात यूनिवर्सिटी कैंपस से पकड़ लिया। शनिवार यानी आज उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। आरोपी प्रोफेसर 4 साल से जूलॉजी डिपार्टमेंट में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। वह बिजनौर के रहने वाले हैं। पत्नी और दो बेटियों के साथ लखनऊ में रहते हैं।

केंद्रीय मंत्री बंदी के बेटे की गिरफ्तारी पर रोक नहीं

पॉस्को केस में कोर्ट ने अंतरिम जमानत पर फैसला टाला; नाबालिग से सेक्सुअल हैरेसमेंट का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। तेलंगाना हाईकोर्ट ने POCSO केस में केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी बागीरथ की गिरफ्तारी पर रोक नहीं लगाई। उनकी अंतरिम अग्रिम जमानत याचिका पर अब अगली वेकेशन कोर्ट में आदेश आएगा।

जस्टिस टी माधवी देवी ने शुक्रवार शाम याचिका पर सुनवाई की सुनवाई करीब आधी रात तक चली। बागीरथ के वकील ने आदेश आने तक गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन कोर्ट ने इनकार कर दिया 8 मई को 17 साल की लड़की की मां की शिकायत पर बागीरथ के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। शिकायत के मुताबिक, बागीरथ ने लड़की को सेक्सुअल हैरेसमेंट किया।

पंजाब- बोरवेल से 9 घंटे बाद निकाला बच्चा

बाहर आते ही मां से लिपटकर रोया; खेलते समय गिरा, 30 फीट नीचे फंसा था

जालंधर/होशियारपुर, एजेंसी। पंजाब के होशियारपुर में शुक्रवार शाम करीब 4 बजे 300 फीट गहरे बोरवेल में गिरे 4 साल के बच्चे को करीब 9 घंटे बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बाहर निकलने के बाद बच्चा अपनी मां से लिपटकर रोया प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय निवासियों के सहयोग से यह ऑपरेशन सफल बना खेलते हुए बोरवेल में गिरा बच्चा करीब 30 फीट नीचे फंसा था। उसे शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 12:40 बजे बोरवेल से बाहर निकाला और तुरंत मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। वहां उसी हालत खतरे से बाहर बताई गई।DC आशिका जैन और SSP संदीप कुमार मलिक ने ऑपरेशन का शुरुआत से नेतृत्व किया। बचाव कार्य सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद DC ने बताया कि बच्चे को बचाने के बाद एंबुलेंस में डॉक्टरी टीम के साथ आगे की जांच के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास

सीएम योगी बोले: जाति, धर्म व भाषा के नाम पर बांटने वाले आपके हितैषी नहीं

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने कहा- योगीजी की छवि सख्त है

गोरखपुर, एजेंसी। सीएम योगी ने कहा कि सरकार के पास जमीन होगी तो उसका इस्तेमाल लोक कल्याण में होगा। यदि इसपर कोई कब्जा करेगा तो वह अपने लिए इस्तेमाल करेगा। सरकारी भूमि का इस्तेमाल लोक कल्याण के लिए होना चाहिए। प्रदेश को गुंडा मुक्त और माफिया मुक्त किया तो तेजी से विकास होने लगा।

जो लोग जाति धर्म और भाषा के नाम पर बांटते हैं वो आपके हितैषी नहीं हो सकते। इनके पास जब भी सत्ता आई तब इन्होंने उसका इस्तेमाल अपने परिवार, अराजकता और गुंडागर्दी के लिए किया। मुख्यमंत्री शनिवार को ताल नदोर में बन रहे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के भूमिपूजन और शिलान्यास के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जब पूरा देश और दुनिया पश्चिम एशिया संकट से जूझ रहा है। पूरी दुनिया में उथल पुथल है। पेट्रोलियम पदार्थों के दाम आसमान छू रहे हैं। इस परिस्थिति में भी केंद्रीय मंत्री ने बेहतरीन काम किया है। तेल कंपनियों पर भले बोझ आ जाए लेकिन जनता को राहत मिलनी चाहिए सीएम ने कहा कि 2014 के बाद पीएम मोदी ने खेलों को आगे बढ़ाया। इसी की देन है कि आज खिलाड़ी मेडल लेकर आ रहे हैं उनके लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर देना हमारी जिम्मेदारी है हम हर गांव में खेल का मैदान बना रहे हैं। हर विकास खंड पर मिनी स्टेडियम और हर जिले में स्टेडियम बनाने का काम हो रहा है।हर कमिश्नरी में स्पोर्ट्स कॉलेज हो। मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण भी इसी साल पूरा हो जाएगा वाराणसी में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बन रहा है 40 एकड़ में स्टेडियम बन रहा है। यहां पार्किंग होगी। यहीं बगल में बेहतरीन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाएंगे। यहां होटल बनेंगे। पहले यहां बंजर था, जिसका मन करे कब्जा कर लेता था। सामने वेटनरी कॉलेज का निर्माण हो रहा है। यहां तमाम पशु चिकित्सक तैयार होंगे। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष पहले तक गोरखपुर से वाराणसी जाने में चार से पांच घंटे लगते थे।

आधुनिकता और विकास के लिए जाना जा रहा उत्तर प्रदेश: हरदीप सिंह पुरी

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि यहां आकर एक अलग आत्मीयता का अनुभव हो रहा है। पूर्वी यूपी से विशेष जुड़ाव रहा है।
काशी में भी विकास की नई गाथा का साक्षी बनने का सौभाग्य मिला। यूपी में जितनी तेजी से विकास हुआ है उतना दूसरे किसी प्रदेश में नहीं हुआ।2017 से पहले सपा सरकार में मंत्रालय ने प्रधानमंत्री आवास योजना में काफी मेहनत की। इसके बाद भी 17 हजार से बढ़ नहीं पाए।

मोदी बोले: ये दुनिया के लिए आपदाओं का दशक

पहले कोरोना, फिर युद्ध, अब ऊर्जा संकट

हालात नहीं बदले तो गरीबी के दलदल में फंसेंगे

एम्स्टर्डम, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नीदरलैंड दौरे पर हैं। उन्होंने ने द हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए दुनिया के मौजूदा हालात पर चिंता जताई।

मोदी ने कहा कि आज मानवता के सामने अनेक बड़ी चुनौतियां हैं। पहले कोरोना, फिर युद्ध और अब ऊर्जा संकट से जूझ रही है। ये दशक दुनिया के लिए आपगदाओं का दशक बन गया है। अगर हालात नहीं बदले तो बीते अनेक दशकों के काम पर पानी फिर जाएगा। दुनिया की बहुत बड़ी आबादी गरीबी के दलदल में फंस जाएगी।

पीएम बोले- नीदरलैंड यूरोप में भारत एंट्री का नेचुरल गेटवे बनेगा: पीएम ने कहा कि भारतीय बिजनेस के लिए यूरोप में एंट्री का नेचुरल गेटवे नीदरलैंड बनेगा। इस जर्नी में हमारा प्रवासी समुदाय भरोसेमंद ब्रिज बन सकता है। नीदरलैंड ट्यूलिप की धरती है। यहां के खूबसूरत फूल को देखने के लिए दुनिया से लोग आते हैं।

भारत में भी दुनिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन जम्मू कश्मीर में है। जिस तरह नीदरलैंड को ट्यूलिप के लिए जाना जाता है वैसे ही भारत कमल के लिए जाना जाता है।

ट्यूलिप और कमल दोनों फूल हमें बताते हैं कि जड़े जाहे पानी में हो या धरती पर अगर सही पोषण मिले तो सुंदरता भी मिलती है और मजबूती भी आ जाती है। यही भारत और नीदरलैंड के बीच पार्टनरशिप का भी आधार है।हमारे बीच दोस्ती की एक और कड़ी है, जिसकी उतनी चर्चा नहीं होती, खेल। हम दोनों देश खेल के क्षेत्र में बहुत कुछ मिलकर कर रहे। जैसे क्रिकेट में नीदरलैंड क्रिक्रेट में भारतीय समुदाय का बहुत योगदान है।

● **आज की दुनिया नई चुनौतियों से जूझ रही :** द हेग में अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि आज की दुनिया नई चुनौतियों से जूझ रही है। पहले कोरोना, फिर युद्ध और अब एनर्जी क्राइसिस है। ये दशक दुनिया के लिए आपदाओं का दशक बन गया है।
अगर ये नहीं बदला तो बीते अनेक दशकों के काम पर पानी फिर जाएगा। दुनिया की बहुत बड़ी आबादी गरीब हो जाएगी।

● **2025 में करीब 44 करोड़ हजार नए स्टार्टअप स्टाट हुए हैं :** मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 2025 में भारत में करीब 44 करोड़ हजार नए स्टार्टअप स्टाट हुए हैं। पिछले साल भारत में 1.25 लाख से ज्यादा पेटेंट फाइल हुए। भारत चिप मेकिंग में सेमीकंडक्टर में भी बड़े कदम उठा रहा है।
12 सेमीकंडक्टर प्लांट पर काम चल रहा है। इनमें से 2 में प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। अब चिप भी डिजाइन इन इंडिया, मेड इन इंडिया होगी। भारत की ये जर्नी हमारे लोकतंत्र को मजबूत बना रही है।
जब लोगों के सपने सच होते हैं तो लोकतंत्र परप उनका भरोसा बढ़ता है।

● **आगे बढ़ना है तो बड़े सपने देखने ही होंगे :** मोदी ने कहा कि दुनिया का कोई भी देश हो अगर उसे आगे बढ़ना चाहता है, तो उसे बड़े सपने देखने ही होंगे। आज हमारा भारत भी बहुत बड़े सपने देख रहा है। आज देश कह रहा है हमें सिर्फ ट्रांसफॉर्मेशन नहीं चाहिए हमें बेस्ट चाहिए और बेस्ट ही नहीं हमें फास्टेस्ट चाहिए। आज भारत का युवा आसमान छूना चाहता है, वो स्टार्टअप शुरू करना चाहता है। क्वालिटी प्रोडक्ट बनाना चाहता है। वो एआई और सेमीकंडक्टर की दुनिया में भारत का आगे ले जाना चाहता है। इसिलए ही भारत का स्टार्टअप इको सिस्टम लगातार हो रहा है।
अब हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इको सिस्टिम वाले देश हैं। भारत चाहता है कि वह दुनिया का ग्रोथ इंज न बने।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद भोजशाला में हनुमान-चालीसा पाठ हुआ

मां वाग्देवी की पूजा हुई, श्रद्धालु बोले- सालों बाद बिना रोक-टोक दर्शन हो रहे

धार, एजेंसी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने धार स्थित विवादित भोजशाला-कमाल मौला परिसर को राजा भोज के समय का वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर माना है। कोर्ट ने हिंदू पक्ष को यहां पूजा का अधिकार दे दिया है।

फैसले के बाद शनिवार सुबह श्रद्धालुओं और अलग-अलग समितियों के पदाधिकारियों ने शांतिपूर्ण माहौल में भोजशाला पहुंचकर दर्शन और पूजा-अर्चना की। लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया।

हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया कि हाईकोर्ट ने 7 अप्रैल 2003 के ASI आदेश को आंशिक रूप से निरस्त कर दिया है। इस आदेश में मुस्लिम समुदाय को शुक्रवार को तय अवधि के लिए नमाज की अनुमति दी गई थी।

▶▶ **पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना:** शनिवार सुबह सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच श्रद्धालु और भोज उत्सव समिति के पदाधिकारी परिसर पहुंचे। इनमें संरक्षक विश्वास पांडे, भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा, श्रीश दुबे, केशव शर्मा और अशोक जैन शामिल थे। सभी ने मां वाग्देवी के स्थान और यज्ञ कुंड के पास पुष्प अर्पित कर दंडवत प्रणाम किया।

▶▶ **श्रद्धालु बोले- भोजशाला मंदिर थी, है और रहेगी:** दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने कहा कि सालों बाद उन्हें बिना रोक-टोक पूजा करने का अवसर मिला है।

ममता बोलीं: जो टीएमसी छोड़कर जाना चाहता है जाए: पार्टी को फिर खड़ा करने की अपील

कहा- जरूरत पड़ी तो खुद दफ्तर पेंट करूंगी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में पार्टी कार्यकर्ताओं से TMC के संगठन को नए सिरे से खड़ा करने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि हम पार्टी दफ्तरों को दोबारा खोलेंगे, उन्हें रंगेंगे और मजबूती से काम पर लौटेंगे। जरूरत पड़ी तो मैं खुद भी दफ्तरों को पेंट करने के लिए तैयार हूं।

इसके बाद उन्होंने कहा कि जो लोग दूसरी पार्टियों में जाना चाहते हैं, वे पूरी तरह आजाद हैं और वे किसी को भी जबरदस्ती रोक कर रखने में यकीन नहीं रखतीं। बैठक के दौरान ममता के भतीजे और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी भी मौजूद थे।

ममता ने कहा- जनादेश लूटा गया: ममता ने कहा कि चुनाव के नतीजों में भले ही ज्ञख्ष्ट को 80 सीटें मिली हों, लेकिन यह जनादेश की लूट है। इससे उनका हौसला नहीं टूटेगा।

ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ एफआईआर

आरोप- चुनाव प्रचार में भड़काऊ भाषण दिए, अमित शाह को लेकर धमकी भरा बयान दिया

कोलकाता, एजेंसी। ममता बनर्जी के भतीजे और TMC सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ शुक्रवार को FIR दर्ज की गई है। उनके खिलाफ बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ भाषण और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ धमकी भरा बयान देने का आरोप है केस उत्तर 24 परगना जिले के बिधाननगर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है।

बंगाल के आसनसोल में पुलिस चौकी में तोड़फोड़-पथराव

पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी; लाउडस्पीकर की आवाज कम करने के निर्देश के बाद हंगामा

आसनसोल, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के आसनसोल में लाउडस्पीकर की आवाज कम करने के निर्देश के बाद शुक्रवार रात को तनाव फैल गया।
रेलपार इलाके में भीड़ ने पुलिस चौकी में तोड़फोड़ और पथराव किया। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े।
पुलिस प्रशासन ने राज्य सरकार के निर्देश पर आसनसोल के कई हिस्सों में लाउडस्पीकर की आवाज कम रखने को कहा था। इसी सिलसिले में दिन में रेलपार शाम को बड़ी संख्या में लोग पुलिस चौकी पहुंच गए। भीड़ ने चौकी पर पथराव किया। पुलिस और आम लोगों के वाहनों में तोड़फोड़ की। घटना में कुछ पुलिसकर्मियों को चोट आई है।

नीट पेपर लीक के खिलाफ एनएसयूआई का प्रदर्शन

एनटीए ऑफिस-शिक्षा मंत्री के घर के बाहर हंगामा; सुप्रीम कोर्ट में एजेंसी भंग करने की याचिका दायर

नई दिल्ली, एजेंसी। NEET-UG पेपर लीक होने के बाद नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (NSUI) के सदस्यों ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। वे NTA पर बैन लगाने की मांग कर रहे थे हाथों में पोस्टर, बैनर और पार्टी के झंडे लिए IYC कार्यकर्ताओं ने तीन मूर्ति सर्कल से शिक्षा मंत्री के आवास की ओर विरोध मार्च निकाला, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया NSUI के कार्यकर्ता चेन-ताला लेकर पहुंचे थे। इन लोगों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के घर के बाहर भी हंगामा किया। जहां इन लोगों ने नकली नोट उड़ाए। पुलिस ने यूथ कांग्रेस अध्यक्ष को हिरासत में ले लिया है इधर, यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट (UDF) ने NEET-UG 2026 पेपर लीक, एग्जाम कैंसिल होने के मामले में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) को भंग करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। दरअसल, 3 मई को हुई NEET-UG-2026 की परीक्षा के पेपर लीक हुए थे। इसके बाद एजेंसी ने परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया।

ट्रम्प ईरान जंग के सवाल पर भड़के

पत्रकार से कहा- तुम्हारी रिपोर्टिंग देशद्रोह जैसी, सच नहीं लिखते हो, शर्म आनी चाहिए

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को लेकर पूछे गए एक सवाल पर पत्रकार पर नाराजगी जताई। ट्रम्प ने रिपोर्टर को झूठा बताया और उसकी रिपोर्टिंग को देशद्रोह जैसा करार दिया।ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान में पूरी तरह सैन्य जीत हासिल की है और यह बात सभी मानते हैं।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने बंगाल में परिसीमन के दिए संकेत

बोले- राज्य सरकार इसके लिए सभी जरूर कदम उठाएगी

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के नए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को निकट भविष्य में राज्य में परिसीमन की संभावना की ओर इशारा करते हुए कहा कि राज्य में निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या बढ़ सकती है, जिसके लिए एक नए विधानसभा भवन के निर्माण की आवश्यकता होगी।विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में भाजपा विधायक रथींद्र बोस के विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद सदन को संबोधित करते हुए सुवेंदु ने ये टिप्पणियां कीं।सुवेंदु ने कहा कि परिसीमन के बाद आने वाले वर्षों में विधानसभा के बुनियादी ढांचे में बड़े बदलावों की आवश्यकता हो सकती है।

दिग्विजय सिंह बोले- मैं घोर सनातनी हूं

उषा ठाकुर से कहा-क्या तुमने नर्मदा परिक्रमा की है? पूर्व मंत्री बोलीं-पक्के सनातनी हैं, तो मानते क्यों नहीं

इंदौर, एजेंसी। मैं घोषणा करता आया हूं और आज फिर कह रहा हूं कि मैं घोर सनातन धर्म का मानने वाला हूं। मेरे कहने के बाद ही आपने सनातन धर्म को स्वीकार किया, पहले आप लोग सिर्फ हिंदू-हिंदू धर्म करती थीं।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार देर रात पूर्व मंत्री उषा ठाकुर से मुलाकात में यह बात कही। भोजशाला फैसले के बाद वे इंदौर पहुंचे थे।

पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ा रहा बांग्लादेश, ब्यूरोक्रेट्स की ट्रेनिंग के लिए मसूरी की जगह चुना लाहौर

मसूरी, एजेंसी। भारत का पहाड़ी पर्यटन स्थल मसूरी बांग्लादेशी सिविल सेवकों के लिए कई सालों तक प्रशिक्षण केंद्र रहा, जो दोनों पड़ोसी देशों के बीच घनिष्ठ और स्थिर संबंधों का प्रतीक था। अब संबंधों में तनाव, समझौतों की अवधि समाप्त होने और वीजा संबंधी बाधाओं के चलते ढाका ने मसूरी की जगह लाहौर को चुना है।

बांग्लादेश के बारह नौकरशाह लाहौर स्थित सिविल सर्विसेज एकेडमी में प्रशिक्षण (4-21 मई) ले रहे हैं। यह बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच अपनी तरह का पहला व्यवस्थित कार्यक्रम है। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद से दोनों देश एक-दूसरे के करीब आए हैं और कई क्षेत्रों में उनके बीच सहयोग बढ़ा है।

ट्रेनिंग का खर्च पाकिस्तानी सरकार उठा रही : बांग्लादेश के मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि एक अतिरिक्त सचिव और 11 संयुक्त सचिव प्रशिक्षण ले रहे हैं। अधिकारियों के प्रशिक्षण का सारा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है। इस दौरे में बांग्लादेश सरकार की कोई वित्तीय भागीदारी नहीं है। मंत्रालय की एक अधिसूचना के अनुसार, प्रशिक्षण के बाद घर लौटने पर अधिकारियों को एक रिपोर्ट जमा करनी होगी।

2024 तक भारत में ले रहे थे ट्रेनिंग : हालांकि, ढाका में कई लोगों का मानना है कि स्थिति बदल सकती है, क्योंकि अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए भारत और पाकिस्तान दोनों जगह जा रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि ढाका और नई दिल्ली अपने संबंधों को फिर से बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। 2024 तक बांग्लादेशी अधिकारी ट्रेनिंग के लिए मसूरी में स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी जाते थे। मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि इस व्यवस्था की शुरुआत 2014 में हसीना सरकार के कार्यकाल में हुई थी। यह व्यवस्था बांग्लादेश के लोक प्रशासन मंत्रालय और दिल्ली स्थित नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस के बीच हुए एक रूष्स (समझौता ज्ञापन) के तहत शुरू की गई थी।

● 1019 बांग्लादेशी अधिकारियों ने भारत में लिया प्रशिक्षण

उन्होंने बताया कि दूसरे \पर 9 फरवरी, 2019 को और तीसरे पर 30 अप्रैल, 2024 को ढाका में हस्ताक्षर किए गए। अंतिम समझौता एक वर्ष तक वैध रहा। NCGG की वेबसाइट के अनुसार, 2019 और 2024 के बीच ह्ष्टत्र ने अपने क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत फील्ड प्रशासन में 1,019 बांग्लादेशी सिविल सेवकों को प्रशिक्षित किया। लेकिन प्रशिक्षित किए गए बांग्लादेशी अधिकारियों (जिनमें सिविल सेवक भी शामिल हैं) की कुल संख्या लगभग 2,500 है।

मुंबई: वाणिज्य विभाग बनेगा वन-स्टॉप हब, 20 दफ्तरों को एक ही छत के नीचे लाने की तैयारी

मुंबई, एजेंसी। प्रशासनिक ढांचे में सुधार, कार्यक्षमता बढ़ाने और ऑपरेशनल लागत को कम करने के उद्देश्य से वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाया है। मंत्रालय की योजना मुंबई भर में फैले 12 संगठनों के 20 कार्यालयों का विलय करके उन्हें सिंगल इंटीग्रेटेड कैंपस में लाने की है। भविष्य में इस मॉडल को देश के अन्य हिस्सों में भी अपनाया जा सकता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मुंबई में की जा रही यह कवायद उनके मंत्रालय द्वारा पूरे देश में चलाए जाने वाले एकीकरण अभियान के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में काम करेगी। उन्होंने आगे बताया कि राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद को अध्ययन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है कि इस तरह का एकीकरण पूरे देश में किस तरह से लागू किया जा सकता है। यह प्रस्तावित नया परिसर मंत्रालय से जुड़ी काम के लिए नागरिकों के लिए एक वन-स्टॉप हब के रूप में काम करेगा। इसके अलावा, यह परिसर उपयोगकर्ताओं को डिजिटल रूप से वाणिज्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले सभी 46 संगठनों से भी जोड़ेगा। इसमें मसाला बोर्ड और समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण जैसी संस्थाएं भी शामिल होंगी जिनके कार्यालय वर्तमान में मुंबई में मौजूद नहीं हैं।

सरकारी खर्चों में आएगी भारी कमी : वाणिज्य मंत्री गोयल ने कहा कि इस नए कदम से न सिर्फ प्रशासनिक कामकाज ज्यादा सुव्यवस्थित और आसान होगा, बल्कि सरकार के खर्चों में भी भारी कमी आएगी। इससे कार्यालयों का किराया, हाउसकीपिंग, आतिथ्य सत्कार और अन्य ऊपरी खर्च काफी हद तक कम हो जाएंगे। मंत्री ने इस योजना की अहमियत बताते हुए कहा कि सरकार के काम करने के तरीके पर इस कदम का दूरगामी और सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

कोलकाता में होगा बड़ा एक्शन नगर निगम की निगरानी सूची में 3000 अवैध इमारतें,तिलजला-तपसिया बना सबसे बड़ा 'रेड जोन'

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के भवन विभाग ने शहर के छह बोरो इलाकों में करीब 3,000 ऐसी इमारतों की पहचान की है, जिन्होंने निर्माण नियमों का गंभीर उल्लंघन किया है। निगम ने इन इलाकों को अनौपचारिक तौर पर 'रेड जोन' की श्रेणी में रखा है। इन इलाकों में तिलजला-तपसिया, एकबालपुर-खिदिरपुर, गार्डेनरीच-मेटियाबुरुज, बड़ा बाजार-चितपुर तथा बाइपास से सटे कई कालोनियां शामिल हैं। निगम अधिकारियों के अनुसार सबसे खराब स्थिति तिलजला-तपसिया बेल्ट की है, जहां अवैध निर्माण सबसे अधिक हुआ है। पूरे तिलजला-तपसिया क्षेत्र को ही अब 'रेड जोन' माना जा रहा है। केएमसी अधिकारियों ने बताया कि इस इलाके में करीब 1,000 इमारतें ध्वस्तीकरण की प्रतीक्षा में हैं। अनुमान है कि पिछले दो दशकों में यहां बने लगभग 70 प्रतिशत भवन बिना किसी आधिकारिक अनुमति के खड़े किए गए। अधिकारियों के अनुसार कई बहुमंजिला अपार्टमेंट घनी आबादी वाले इलाकों में बिना नक्शा स्वीकृति के बना दिए गए। तपसिया, तिलजला, चौभागा और बाइपास से सटे अन्य क्षेत्रों में अवैध निर्माण अब अपवाद नहीं बल्कि सामान्य स्थिति बन चुकी है। केएमसी अधिकारियों का कहना है कि इन इलाकों में नियमित कार्रवाई करना कठिन होता जा रहा है। कई बार बोरो स्तर के भवन विभाग कर्मियों को धमकी, दबाव और टकराव की आशंका के कारण इलाके में प्रवेश करने में भी हिचकिचाहट होती है। यह समस्या केवल तिलजला-तपसिया तक सीमित नहीं है।

ग्रेटर नोएडा के जिम्स ने लू से बचाव को लेकर जारी की एडवाइजरी, भीषण गर्मी में कैसे रखें खुद को सुरक्षित

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। भीषण गर्मी और लू को ध्यान में रखते हुए राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) ने शहर वासियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। जनरल मेडिसिन विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. श्रुति सिंह ने बताया कि लू से बचाव के लिए शरीर को हाइड्रेटेड रखना है। इसके लिए प्यास न लगने पर भी नियमित अंतराल पर पर्याप्त पानी पीना अनिवार्य है। पीने के पानी के साथ-साथ ओआरएस, छाछ (मट्ठा), नींबू पानी, आम पन्ना , बेल का शरबत, सत्तू का शरबत, चावल का पानी, गन्ने का रस, और ताजे फलों के रस जैसे घरेलू पेय पदार्थों का सेवन शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। इसके बजाय तरबूज, खरबूजा, संतरा और खीरा जैसे पानी से भरपूर मौसमी फलों को प्राथमिकता देनी चाहिए। खान-पान में विशेष सावधानी बरतते हुए बासी भोजन और उच्च प्रोटीन युक्त आहार से बचना चाहिए। ये मेटाबालिक गर्मी को बढ़ाते हैं। उन्होंने बताया कि शराब, चाय, काफी और अधिक चीनी वाले कार्बोनेटेड ड्रिंक्स के सेवन से बचने की जरूरत है। ये शरीर से तरल पदार्थों की निकासी बढ़ाकर निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) का कारण बनते हैं। धूप में निकलते समय हमेशा हल्के रंग के, ढीले और सूती कपड़े पहनने चाहिए और सिर को छाते, टोपी या गीले कपड़े से ढंकना चाहिए।

इनकी विशेष देखभाल करने की है जरूरत: शिशुओं, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को लू का खतरा सबसे अधिक होता है। इसलिए उनकी विशेष निगरानी आवश्यक है। गर्मी से संबंधित बीमारियों के लक्षणों को पहचानना अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिनमें चक्कर आना, मतली, उल्टी, तेज सिरदर्द, मांसपेशियों में ऐंठन और पेशाब का रंग गहरा होना शामिल है। यदि किसी व्यक्ति का शरीर का तापमान (104 डिग्री से अधिक) या उससे अधिक हो जाए, उसे दौरे पड़ें, मानसिक भ्रम हो या पसीना आना बंद हो जाए, तो यह हीट स्ट्रोक की आपातकालीन स्थिति है। यह जानलेवा हो सकती है । ऐसे समय में पीड़ित को तुरंत ठंडी और छायादार जगह पर लिटाकर गीले कपड़े से स्पंज करना चाहिए और शरीर के तापमान को कम करने के लिए सिर पर सामान्य तापमान का पानी डालना चाहिए।

इस समय इससे जरूर बचें:

- दोपहर के 12 बजे से तीन बजे के बीच बाहर निकलने से बचें
- दोपहर में छाता, टोपी, तौलिया या पारंपरिक सिर के वस्त्रों का उपयोग करें ।

भोजशाला: विद्या, संस्कृति और आस्था का हजार वर्ष पुराना केंद्र, शिल्प वैभव की अद्भुत धरोहर

इंदौर, एजेंसी। भोजशाला केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृत अध्ययन और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक मानी जाती रही है। परमार राजा भोज के काल में स्थापित भोजशाला को मां वाग्देवी (सरस्वती) की आराधना, वैदिक अध्ययन और विद्वानों के केंद्र के रूप में पहचान मिली। विशाल स्थापत्य, नक्काशीदार स्तंभ, यज्ञकुंड और वाग्देवी प्रतिमा ने इसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाए रखा। यहां धार्मिक अनुष्ठान, यज्ञ, वैदिक आयोजन और वसंत पंचमी महोत्सव आयोजित होते थे। परिसर से कुछ ही किलोमीटर दूर ज्ञानपुरा गांव के बारे में माना जाता है कि परमार काल में यह आचार्यों और विद्वानों का निवास क्षेत्र था।

वाग्देवी प्रतिमा : राजा भोज के समय की विद्वता और शिल्प वैभव की अद्भुत धरोहर है।1034 ईस्वी में परमार वंश के प्रतापी राजा भोज ने धार में एक विशाल आवासीय संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना की, जिसे आज भोजशाला के नाम से जाना जाता है। यह संस्थान नालंदा और तक्षशिला की समृद्ध परंपरा का हिस्सा था। वसंत पंचमी के दिन यहां मां सरस्वती की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की गई और लगभग 271 वर्षों तक यह स्थान विश्व में शिक्षा का प्रमुख केंद्र बना रहा। श्वेत संगमरमर से उच्च उत्कीर्णन शैली में निर्मित यह मूर्ति तत्कालीन मूर्तिकला कौशल की उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है। सुनवाई के दौरान यह बताया गया कि वर्ष 1875 में ब्रिटिश सरकार के राजनीतिक प्रतिनिधि मेजर जनरल विलियम किकेड ने मंदिर परिसर की खोदाई करवाई थी। इस दौरान मुस्लिम शासकों द्वारा वहां गाड़ी गई वाग्देवी की मूर्ति को बाहर निकाला गया। वर्ष 1903 में लार्ड कर्जन इस मूर्ति को अपने साथ ले गए और उन्होंने इसे लंदन के संग्रहालय में रखवाया। तबसे यह वहीं है। इतिहासकारों के अनुसार, यह प्रतिमा मूल रूप से चार भुजाओं वाली थी। देवी के सिर पर मुकुट और सुसज्जित केश विन्यास उनकी दिव्यता और गरिमा को दर्शाते हैं। इसके आधार भाग पर संस्कृत भाषा और देवनागरी लिपि में उकेरे अभिलेख के अनुसार वररुचि नामक विद्वान ने वाग्देवी सहित तीन प्रतिमाओं का निर्माण करवाया था। मूर्ति लगभग 128.5 सेमी ऊंची, 58.6 सेमी चौड़ी है। इसका अनुमानित भार करीब 250 किलो माना जाता है।

'न्यायपालिका की गरिमा सर्वोपरि', मनोज तिवारी ने आप के खिलाफ अवमानना कार्यवाही का किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और सांसद मनोज तिवारी ने दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू किए जाने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला साफ संदेश देता है कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून और न्यायपालिका की गरिमा से ऊपर नहीं है। मनोज तिवारी ने आरोप लगाया कि लंबे समय से आप नेताओं द्वारा न्यायपालिका और न्यायाधीशों को निशाना बनाकर झूठ, संपादित वीडियो, मानहानिकारक पत्रों और इंटरनेट मीडिया अभियानों के जरिए माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में भ्रष्टाचार छिपाने और झूठ फैलाने वालों को अब जवाब देना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा संविधान और न्यायपालिका की स्वतंत्रता के पक्ष में खड़ी रही है और पार्टी को दिल्ली हाई कोर्ट तथा भारतीय न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है। साथ ही उन्होंने दिल्ली की जनता से अपील करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की 'झूठ, भ्रष्टाचार और संस्थाओं पर हमले' की राजनीति अब बेनकाब हो चुकी है।

नाइजीरिया में मारा गया आईएसआईएस का दूसरा सबसे बड़ा कमांडर अबू-बिलाल अल-मिनुकी

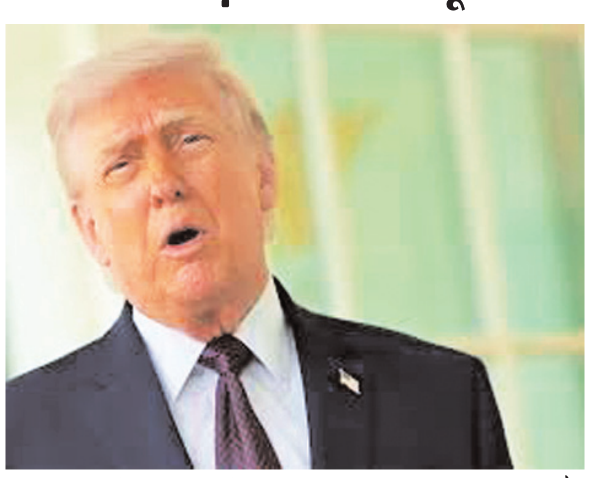

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बड़ी सैन्य कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिकी सेना ने नाइजीरिया में आईएसआईएस के दूसरे सबसे बड़े वैश्विक कमांडर अबू-बिलाल अल-मिनुकी को खत्म कर दिया है। यह आतंकी पूरी दुनिया में आईएसआईएस का दूसरा सबसे बड़ा नेता माना जाता था। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस खबर को साझा किया। उन्होंने बताया कि यह एक बहुत ही जटिल और सुनियोजित मिशन था। अमेरिकी सेना और नाइजीरियाई सशस्त्र बलों ने मिलकर इस ऑपरेशन को पूरी सटीकता के साथ अंजाम दिया। ट्रंप ने अल-मिनुकी को दुनिया का सबसे सक्रिय आतंकवादी बताया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अल-मिनुकी को लगा था कि वह अफ्रीका में छिप सकता है। लेकिन अमेरिका के पास ऐसे सूत्र थे जो उसकी हर हरकत की जानकारी दे रहे थे। ट्रंप ने इस सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि अब यह आतंकी अफ्रीका के लोगों को नहीं डरा पाएगा। वह अब अमेरिकियों को निशाना बनाने की साजिश भी नहीं रच सकेगा। ट्रंप का मानना है कि इस आतंकी के खात्मे से दुनिया भर में आईएसआईएस का नेटवर्क बहुत कमजोर हो जाएगा। उन्होंने इस ऑपरेशन में सहयोग के लिए नाइजीरिया सरकार का आभार भी जताया।

कौन है अबू-बिलाल अल-मिनुकी: अबू-बिलाल अल-मिनुकी को अबू बक्र इब्न मुहम्मद इब्न अली अल-मैनुकी के नाम से भी जाना जाता था। वह मुख्य रूप से अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में सक्रिय था। यह क्षेत्र अटलांटिक महासागर से लाल सागर तक करीब 5,900 किलोमीटर में फैला है। इसमें सेनेगल, मॉरिटानिया, माली, बुर्किना फासो, नाइजर, नाइजीरिया, चाड और सूडान जैसे देश शामिल हैं। इसके अलावा इसका प्रभाव गाम्बिया, गिनी, कैमरून और इरिट्रिया तक भी था। अल-मिनुकी इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस का वरिष्ठ कमांडर था।

क्या ईरान का साथ छोड़ देगा ड्रैगन : चीन से लौटे ट्रंप बोले- तेहरान परमाणु संपन्न नहीं बन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी तीन दिनों की चीन यात्रा पूरी कर ली है। इस यात्रा के दौरान उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की। ट्रंप ने बताया कि दोनों देश इस बात पर एकमत हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते।चीन से रवाना होने के बाद, एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि शी जिनपिंग भी यही चाहते हैं कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का रास्ता खुला रहे। ट्रंप ने दावा किया कि इस समुद्री रास्ते पर अमेरिका का नियंत्रण है। उन्होंने बताया कि पिछले ढाई हफ्तों से अमेरिका ने वहां नौसैनिक घेराबंदी कर रखी है। इस वजह से ईरान को हर दिन लगभग 50 करोड़ डॉलर का भारी नुकसान हो रहा है। ट्रंप ने कहा, 'मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है। ईरान के मुद्दे पर जिनपिंग का भी मानना है कि उनके पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते और वह चाहते हैं कि वे जलडमरूमध्य को खुला रखें।'

ताइवान के मुद्दे पर क्या बात हुई: ताइवान के मुद्दे पर भी दोनों नेताओं के बीच लंबी चर्चा हुई। ट्रंप ने बताया कि शी जिनपिंग ताइवान की आजादी की किसी भी कोशिश के सख्त खिलाफ हैं। शी जिनपिंग का मानना है कि ऐसी कोशिशों से बड़ा टकराव पैदा हो सकता है, जिसे वह टालना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने शी जिनपिंग की बातों को ध्यान से सुना, हालांकि उन्होंने खुद इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

पत्रकारों ने ट्रंप से 1982 के उस समझौते के बारे में भी पूछा, जिसमें अमेरिका ने ताइवान को हथियार बेचने के मामले में चीन से सलाह न करने का भरोसा दिया था। इस पर ट्रंप ने कहा कि 1982 की बात अब बहुत पुरानी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि उन्होंने शी जिनपिंग के साथ ताइवान को हथियारों की बिक्री पर विस्तार से बात की है। ट्रंप ने कहा कि वह इस मामले में जल्द ही कोई फैसला लेंगे। उन्होंने साफ किया कि वह अमेरिका से 9,500 मील दूर किसी भी युद्ध में शामिल नहीं होना चाहते।

ट्रंप ने शी जिनपिंग की तारीफ करते हुए उन्हें एक बेहतरीन व्यक्ति बताया और कहा कि दोनों के बीच अब अच्छी समझ बन गई है। उन्होंने कहा कि उनका चीन प्रवास बहुत अच्छा रहा।

चीन यात्रा पर क्या बोले ट्रंप

चीन से वापस आने के बाद ट्रंप ने इस दौरे को एक बड़ी सफलता और शानदार अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि चीन के साथ कई बड़े और महत्वपूर्ण समझौते हुए। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि अब दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस यात्रा के दौरान ऐसी बहुत सी चीजें हुई हैं, जिनके बारे में लोगों को जल्द ही पता चलेगा।

ड्रोन भविष्य के युद्ध की दिशा तय करेंगे, समय के साथ चलना जरूरी', अमेरिकी सेना ने संसद में दी जानकारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने देश के सांसदों को को बताया है कि ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और बिना इंसानी नियंत्रण वाले सिस्टम आधुनिक युद्ध का तरीका तेजी से बदल रहे हैं। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन युद्ध से यह साफ हो गया है कि आने वाले समय में लड़ाइयों में सस्ते, बड़ी संख्या में इस्तेमाल किए जा सकने वाले और मानव रहित हथियारों की सबसे बड़ी भूमिका होगी। अमेरिकी कांग्रेस की हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सामने पेश हुए अमेरिकी सेना के सचिव डैनियल ड्रिस्कॉल ने कहा कि युद्ध का स्वरूप बहुत तेज गति से बदल रहा है और जो सेनाएं खुद को समय के हिसाब से नहीं बदलेंगी, वे पीछे छूट जाएंगी। ड्रिस्कॉल ने कहा, 'ड्रोन इंसानों के बीच युद्ध करने के तरीके को पूरी तरह बदल रहे हैं। इतिहास में इतनी तेजी से बदलाव पहले कभी नहीं देखा गया। ये सस्ते होते हैं, जरूरत के हिसाब से बदले जा सकते हैं, बेहद सटीक होते हैं और कई तरह के काम कर सकते हैं।' उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना अब तेजी से ऐसे सिस्टम विकसित कर रही है जिनमें एआई, ऑटोमेटेड तकनीक और आधुनिक कमांड सिस्टम शामिल हों। खासतौर पर अमेरिका भविष्य में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संभावित संघर्षों को ध्यान में रखकर तैयारी कर रहा है। अमेरिकी सेना के 2027 के बजट पर संसद में तीखी सुनवाई हुई। इसी दौरान अमेरिकी सेना के शीर्ष अधिकारियों ने यह जानकारी संसद को दी। इस दौरान दोनों दलों के प्रतिनिधियों ने भी यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए माना कि सस्ते ड्रोन अब निगरानी, दुश्मन को निशाना बनाने और बड़े हमलों में बेहद अहम भूमिका निभा रहे हैं। अमेरिकी सेना के जनरल क्रिस्टोफर लानेव ने कहा कि सेना यूक्रेन और मध्य पूर्व के युद्धों से मिले अनुभवों के आधार पर अपनी ट्रेनिंग और युद्ध रणनीति तेजी से बदल रही है। उन्होंने कहा, 'हम यूक्रेन और ऑपरेशन एंड्योरिंग फ्रीडम से बहुत कुछ सीख रहे हैं। इन अनुभवों को अब पहले से कहीं ज्यादा तेजी से सेना की ट्रेनिंग और रणनीति में शामिल किया जा रहा है।'

अमेरिकी सेना ने शुरू किया ऑपरेशन जेल ब्रेक: अमेरिकी सेना ने 'ऑपरेशन जेलब्रेक' नाम से एक बड़ा प्रोजेक्ट भी शुरू किया है। यह फोर्ट कार्सन में चल रहा है। यहां रक्षा कंपनियां और सेना के इंजीनियर मिलकर ऐसी सॉफ्टवेयर बाधाओं को हटाने की कोशिश कर रहे हैं, जिनकी वजह से अलग-अलग सैन्य सिस्टम आपस में युद्ध संबंधी जानकारी आसानी से साझा नहीं कर पाते। ड्रिस्कॉल ने कहा कि अमेरिका के कई सैन्य सिस्टम अभी भी अलग-अलग बंद ढांचे की तरह काम करते हैं जिससे जरूरी जानकारी तुरंत साझा करने में दिक्कत होती है उन्होंने कहा 'जो भी सिस्टम कोई जानकारी तैयार करे, वह जानकारी अमेरिकी सेना तक कहीं भी तुरंत पहुंचनी चाहिए।' सेना सचिव ने यह भी चेतावनी दी कि भविष्य के ड्रोन युद्धों में केवल इंसानी क्षमता काफी नहीं होगी।

सीधी को मिली समावेशी न्याय की नई सौगात: कोतवाली में शुरू हुआ संकेत संवाद मध्यस्थता केन्द्र

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। न्यायिक प्रक्रिया को अधिक समावेशी सुलभ और संवेदनशील बनाने की दिशा में सीधी जिले को एक महत्वपूर्ण सौगात मिली है। पुलिस थाना कोतवाली सीधी में संकेत संवाद मध्यस्थता केन्द्र की स्थापना की गई जिससे अब श्रवण एवं वाक् बाधित पक्षकार अपने विवादों में प्रभावी भागीदारी कर सकेंगे और न्याय प्रक्रिया में सहज रूप से शामिल हो पाएंगे यह पहल मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शुरू की गई है। इसके तहत राज्यभर में श्रवण एवं वाक् बाधित पेशेवरों और सांकेतिक भाषा दुभाषियों को 40 घंटे का विशेष प्रशिक्षण दिया गया ये प्रशिक्षित पेशेवर अब न्यायालय द्वारा संदर्भित विवादों और मुकदमे से पूर्व मामलों में मध्यस्थ के रूप में सेवाएं प्रदान करेंगे राज्यभर में इस अभिनव पहल के तहत पांच पुलिस थानों में संकेत संवाद मध्यस्थता केन्द्र स्थापित किए गए इनमें लॉर्डगंज थाना जबलपुर, कोतवाली थाना सीधी, तुकोगंज थाना इंदौर, महिला थाना भोपाल और बिछिया थाना रीवा शामिल हैं। सीधी जिले में इस केन्द्र का उद्घाटन शनिवार, 16 मई 2026 को वर्चुअल माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति सूर्यकांत द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति संजीव सचदेवा सहित न्यायपालिका और प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे सीधी से वर्चुअल माध्यम से उपस्थित वरिष्ठ अधिकारी थे: प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर, कलेक्टर विकास मिश्रा, विशेष न्यायाधीश यतीन्द्र कुमार गुरु, जिला न्यायाधीश राकेश कुमार सोनी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विनोद कुमार वर्मा, तथा पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद वास्तव सहित अन्य न्यायिक और प्रशासनिक अधिकारी इस केन्द्र के माध्यम से श्रवण और वाक् बाधित पक्षकार अपनी बात बिना किसी संवाद बाधा के रख सकेंगे प्रशिक्षित सांकेतिक भाषा दुभाषियों और मध्यस्थों की सहायता से विवादों का त्वरित और सौहार्दपूर्ण समाधान संभव होगा इससे पक्षकारों का समय, धन और मानसिक तनाव कम होगा यह पहल समान न्याय के अधिकार को जमीनी स्तर पर मजबूत करेगी। प्रशिक्षित मध्यस्थों की मौजूदगी से पक्षकार अधिक आत्मविश्वास के साथ अपनी समस्याएं साझा कर पाएंगे जिससे गोपनीयता और विश्वास दोनों बढ़ेंगे साथ ही पुलिस और प्रशासनिक कार्यवाहियों में संवाद सरल होगा यह केन्द्र कानूनी जागरूकता बढ़ाने में भी सहायक होगा क्योंकि प्रशिक्षित पेशेवर पक्षकारों को उनके अधिकार, कानूनी प्रक्रियाएं और विकल्प सरल रूप में समझाएंगे।

सीधी जिले की ग्राम पंचायत कुनझुन कला में सचिव पर रिश्वत के गंभीर आरोप

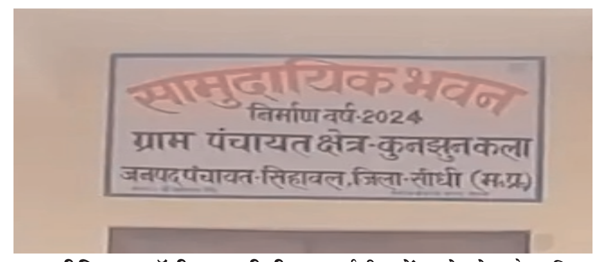

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले की जनपद पंचायत सिहावल अंतर्गत ग्राम पंचायत कुनझुन कला के सचिव अशोक गौतम पर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं ग्रामीणों का कहना है कि शासकीय कार्यों के लिए उनसे पैसे की मांग की जाती है जो नियमानुसार निःशुल्क होने चाहिए उमरिया टोला के प्रजापत मोहल्ले की महिलाओं और अन्य ग्रामीणों ने शुक्रवार दोपहर लगभग 1 बजे एसडीएम सिहावल को अपनी शिकायत दी। ग्रामीणों ने बताया कि समग्र आईडी में नाम जोड़ने नाम अलग करने कर्मकार कार्ड बनवाने और राशन कार्ड में नाम जोड़वाने जैसे कार्यों के लिए सचिव ने रिश्वत की मांग की महेश प्रजापति ने बताया कि उनकी बहू का नाम समग्र आईडी में जोड़ने के लिए सचिव ने 700 रुपए मांगे थे और पैसे न देने पर उनका काम लगभग 6 महीने तक अटका रहा सुनीता प्रजापति ने भी आरोप लगाया कि समग्र आईडी से नाम अलग करवाने के लिए उनसे 500 रुपए लिए गए बच्चों के नाम जोड़ने के लिए 200-200 रुपए और राशन कार्ड कूपन में नाम जोड़ने के लिए 500 रुपए की मांग की गई ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि पंचायत से संबंधित अधिकांश कार्य ग्राम मायापुर में स्थित एक कंप्यूटर दुकान के माध्यम से कराए जाते हैं जहां सचिव के निर्देश पर पैसे देने पड़ते हैं ग्रामीणों ने कहा कि इससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है पंचायत सचिव

NEET 226 पेपर लीक: NSUI रीवा ने न्याय दिलाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। NEET 226 परीक्षा में पेपर लीक मामले को लेकर NSUI रीवा जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने पत्रकार वार्ता आयोजित की। उन्होंने बताया कि एनएसयूआई देशभर में 'हृश्वश्वञ्ज 226 न्याय अभियान' शुरू कर रही है ताकि लाखों प्रभावित छात्रों को न्याय दिलाया जा सके और परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित हो।

NSUI की प्रमुख मांगें:

1 NTA का भंग और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा 2 सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में CBI जांच कराई जाए 3 प्रभावित छात्रों के लिए निःशुल्क मानसिक स्वास्थ्य सहायत 4 फ्री लीगल एड प्रदान की जाए 5 प्रभावित परिवारों को आर्थिक मुआवज़ा और वित्तीय सहायता 6 यदि परीक्षा दोबारा आयोजित होती है तो छात्रों एवं परिवारों के लिए निःशुल्क परिवहन, ठहरने और अन्य सुविधाएं सुनिश्चित की जाए 7 कड़ा कानून बनाकर पेपर लीक करने वालों को सजा और एनटीए पर प्रतिबंध 8 बड़ी कोचिंग संस्थानों और बीजेपी नेताओं की संलिप्तता का खुलासा।

NSUI का कहना: यह मुद्दा केवल एक परीक्षा का नहीं बल्कि देश के युवाओं के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता का प्रश्न है अब छात्र चुप नहीं बैठेंगे और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा। जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा: देशभर के लाखों छात्र माता-पिता की मेहनत और अपनी मेहनत के दम पर हृश्वश्वञ्ज में शामिल होते हैं। बार-बार होने वाले पेपर लीक ने उनके भविष्य और विश्वास पर गंभीर चोट पहुंचाई है। अब न्याय मिलने तक हमारा अभियान जारी रहेगा।

गज रक्षक ऐप ने शहडोल में हाथी हमले से लोगों की जान बचाई

केशवाही वन परिक्षेत्र में समय पर अलर्ट के चलते अतरिया गांव खाली, कोई जनहानि नहीं

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले में वन विभाग का गज रक्षक ऐप एक संभावित बड़े हादसे को टालने में सफल रहा केशवाही वन परिक्षेत्र में अनूपपुर सीमा से पहुंचे हाथी की गतिविधियों की समय पर सूचना मिलने के बाद अतरिया गांव के सभी ग्रामीण सुरक्षित स्थानों पर चले गए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई जिले में पिछले कुछ वर्षों से जंगली हाथियों का आतंक बढ़ रहा है जिससे कई लोगों की जान जा चुकी है और ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल है हाल ही में गिरवा गांव में हाथी ने खेत में सो रहे एक किसान को कुचलकर मार डाला था इसी क्रम में अनूपपुर सीमा से शहडोल पहुंचे हाथी ने अतरिया गांव की ओर रुख किया समय पर अलर्ट की वजह से बची जानें केशवाही रेंज अधिकारी अंकुर तिवारी ने बताया कि हाथी के गिरवा गांव में दिखाई देने के तुरंत बाद जानकारी गज रक्षक ऐप में अपलोड की गई इसके परिणामस्वरूप लगभग 20 किलोमीटर के दायरे में मौजूद ग्रामीणों के मोबाइल पर चेतावनी संदेश और अलर्ट टोन पहुंच गई ग्रामीणों ने तुरंत अपने घर खाली कर सुरक्षित स्थानों पर शरण ली रेंजर अंकुर तिवारी ने बताया कि इससे एक बड़ा हादसा टल गया और लोगों की जान सुरक्षित रही।

पहला अलर्ट: जब हाथी किसी गांव से लगभग 20 किलोमीटर के भीतर आता है, तब मोबाइल पर मैसेज और अलर्ट टोन भेजा जाता है।

दूसरा अलर्ट: जब हाथी गांव से 5 किलोमीटर के करीब आता है तब सीधे फोन कॉल के माध्यम से चेतावनी दी जाती है। अंकुर तिवारी ने बताया कि केशवाही वन परिक्षेत्र में अब तक 500 से अधिक ग्रामीणों के मोबाइल में यह ऐप डाउनलोड कराया जा चुका है। ब्यौहारी और केशवाही क्षेत्र में हाथियों की गतिविधियां अधिक होने के कारण वहां विशेष अभियान चलाकर लोगों को ऐप डाउनलोड कराने की प्रक्रिया जारी है।

बंधा कोल ब्लॉक में ग्रामीणों ने रोका कंपनी का काम

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के बंधा कोल ब्लॉक परियोजना क्षेत्र में शुक्रवार को एमआईएल बिरला कंपनी के कर्मचारी भारी मशीनरी लेकर कार्य शुरू करने पहुंचे तेंदुआ पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों ने इसका विरोध करते हुए काम रुकवा दिया ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी उनकी सहमति के बिना जबरन जमीन पर कब्जा कर सड़क निर्माण और अन्य कार्य शुरू करना चाहती है बंधा कोल ब्लॉक परियोजना के तहत कई गांवों की जमीन का भू-अर्जन किया जाना है इस परियोजना से बड़ी मात्रा में कृषि और आबादी क्षेत्र की भूमि प्रभावित हो रही है ग्रामीण लंबे समय से मुआवजा, पुनर्वास, रोजगार और परियोजना में पारदर्शिता की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं।

भोजशाला प्रकरण में हाईकोर्ट का निर्णय: धर्म सनातन की विजय, भव्य निर्माण की राह खुली

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भोजशाला प्रकरण में हाईकोर्ट के हालिया निर्णय को हिंदू धर्म और सनातन की विजय के रूप में देखा जा रहा है इस ऐतिहासिक फैसले से धार भोजशाला में ज्ञान की देवी माँ सरस्वती मंदिर के भव्य निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है राम मंदिर के बाद यहाँ वागदेवी के मंदिर का निर्माण भी सुनिश्चित होने की उम्मीद जताई जा रही है हिंदू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी, अध्यक्ष ऋषिशंकर मिश्रा, संयोजक सुमित मॉजवानी, सह संयोजक उमेश कुशवाहा, मार्गदर्शक डॉ सीबी शुक्ला, डॉ केके परौहा, डीपी सिंह परिहार, डॉ ज्योति सिंह, अवधेश वास्तव, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय मोहन तिवारी, रिदम म्यूजिकल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ विनोद तिवारी, कलम परिवार के अध्यक्ष नागेन्द्र मिश्रा मणी, कार्यकारी अध्यक्ष ममता नरेन्द्र सिंह ने इस ऐतिहासिक निर्णय का हार्दिक स्वागत किया और हर्ष व्यक्त किया शुभ अवसर पर सभी उपस्थित लोगों के लिए मिठाइयाँ बांटी गईं जिससे माहौल और भी उल्लासपूर्ण बन गया।

बोदाबाग ब्लॉक कांग्रेस में जन संवाद सम्मेलन एवं कमेटी सत्यापन पर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बोदाबाग ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रीवा की एक महत्वपूर्ण बैठक वार्ड क्रमांक 8, बोदाबाग में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन सृजन अभियान के माध्यम से गठित वार्ड कमिटियों, मंडल कमिटियों और पंचायत कमिटियों के सत्यापन कार्य की समीक्षा करना और आगामी प्रदेशव्यापी ब्लॉक स्तरीय जन संवाद सम्मेलन को लेकर विस्तृत योजना बनाना था बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने, वार्ड एवं पंचायत मंडल स्तर पर सक्रिय कार्यप्रणाली विकसित करने तथा आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया शहर कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी द्वारा समय-समय पर आयोजित कार्यक्रमों में सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वार्ड कमेटियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सशक्त टीमवर्क के साथ कार्य करते हुए कांग्रेस पार्टी की रीति-नीति एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए उन्होंने प्रत्येक कार्यकर्ता से सक्रिय भूमिका निभाने की आवश्यकता पर जोर दिया बोदाबाग ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अधिवक्ता शिवेन्द्र प्रताप सिंह बघेल ने कहा कि ब्लॉक, मंडल, वार्ड एवं पंचायत कमिटी गठन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है बैठक का उद्देश्य गठित कमेटियों के सत्यापन कार्य और ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाले जन संवाद सम्मेलन पर विचार-विमर्श करना था। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रदेश महासचिव कार्यालय प्रभारी संजय कामले के निर्देशन में जमीनी स्तर पर बैठकें आयोजित की जा रही हैं ताकि पार्टी के कार्यकर्ता सजग और सक्रिय बने रहें। शिवेन्द्र प्रताप सिंह बघेल ने कहा कि वार्ड कमेटियों, मंडल कमेटियों और पंचायत कमेटियों का सत्यापन निर्धारित समय सीमा में पूरा करना संगठन की सक्रियता और सुचारू संचालन के लिए आवश्यक है उन्होंने यह भी बताया कि जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी रीवा के पदाधिकारी वार्ड और पंचायतों में जाकर सत्यापन कार्य पूरा करेंगे जिसकी शुरुआत वार्ड क्रमांक 8, बोदाबाग और वार्ड 7 से की जा चुकी है बैठक में मुख्य रूप से शहर कांग्रेसक कमेटी रीवा के अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू, शहर संगठन महासचिव सज्जन पटेल, वार्ड 8 के पार्षद उमेश वर्मा, बोदाबाग ब्लॉक अध्यक्ष अधिवक्ता शिवेन्द्र प्रताप सिंह बघेल, प्रभारी मनोज पटेल, मंडल अध्यक्ष दिलीप चौबे, जमुना प्रसाद चतुर्वेदी, अशोक चतुर्वेदी, प्रमोद कुमार सेन, श्याम लाल चौधरी, गणेश रावत, संजय दुवे, श्यामसुंदर दुबे, ठाकुरदीन विश्वकर्मा, दिनेश कुशवाहा, घनश्याम पांडे, राजू वर्मा, विवेक सिंह, पुष्पराज, अरविंद्र चतुर्वेदी, दीपक पांडे और सुनील पांडे सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रतिबंध के बावजूद अवैध बोरिंग, पुलिस ने मशीन जब्त की

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के सरई थाना क्षेत्र में प्रशासन के प्रतिबंध के बावजूद अवैध रूप से बोरिंग कराए जाने पर पुलिस ने कार्रवाई की बरका पुलिस चौकी की टीम ने ग्राम गन्नई में बोरिंग मशीन लगे ट्रक को जब्त किया और चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया पुलिस को मुखबिर की सूचना मिली कि गन्नई गांव में एक घर के पीछे बोरिंग मशीन लगाकर नलकूप खनन किया जा रहा है सूचना के आधार पर टीम मौके पर पहुंची और जांच की मौके पर ट्रक क्रमांक TN 48 X 2414 से अवैध बोरिंग करते पाया गया। चालक ने अपना नाम प्रेमलाल जायसवाल उर्फ गुड्डु जायसवाल बताया वह जिला सीधी के पटेहरा खुर्द का निवासी है और वर्तमान में घोघरा सरई में रह रहा है पुलिस द्वारा खनन अनुमति दस्तावेज मांगे जाने पर चालक कोई वैध प्रमाण नहीं दिखा सका जिले में 2 मई से 15 जुलाई 2026 तक नलकूप खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है। प्रशासनिक आदेश का उल्लंघन करने के कारण पुलिस ने बोरिंग मशीन और ट्रक जब्त कर आरोपी के खिलाफ बरका चौकी में मामला दर्ज किया।

समर कैंप में छात्राओं को मिल रहा आत्मरक्षा का प्रशिक्षण, खालसा कार्यक्रम से बालिकाओं में विकसित हो रही वीरता, आत्मविश्वास और आत्मसम्मान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला स्तरीय समर कैंप के अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय, सीधी में छात्राओं के सर्वांगीण विकास और आत्मरक्षा कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खालसा आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है यह समर कैंप 10 मई 2026 से संचालित हो रहा है, जिसमें विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रचनात्मक एवं व्यक्तित्व विकास गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं बालिकाओं में वीरता, आत्मविश्वास और आत्मसम्मान के गुण विकसित करने के उद्देश्य से उन्हें खालसा विशेष आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जा रहा है प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को वूशु, ताईक्वांडो, थाई बॉक्सिंग, जूडो और कराटे जैसी मार्शल आर्ट विधाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा प्रदान किया जा रहा है शनिवार को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का कलेक्टर विकास मिश्रा ने अवलोकन किया। उन्होंने छात्राओं से चर्चा करते हुए आत्मरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला कलेक्टर ने कहा कि आत्मरक्षा केवल शारीरिक सुरक्षा का माध्यम नहीं है बल्कि यह मानसिक सशक्तिकरण और आत्मविश्वास का भी महत्वपूर्ण आधार है उन्होंने छात्राओं को सजग रहने और अपने सम्मान एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने संबंधी महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी पी.के. सिंह, जिला परियोजना समन्वयक विनय मिश्र, उत्कृष्ट विद्यालय सीधी के प्राचार्य एस.एन. त्रिपाठी, बीआरसीसी सीधी राजेश पांडेय सहित शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं उपस्थित सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम छात्राओं के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ उन्हें सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होगा। खालसा आत्मरक्षा प्रशिक्षण छात्राओं को सामाजिक सुरक्षा के महत्व, सुरक्षा जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ सकारात्मक नेतृत्व कौशल भी सिखा रहा है प्रशिक्षित छात्राएं अब न केवल अपनी सुरक्षा कर सकती हैं बल्कि अपने आस-पास के वातावरण में भी सुरक्षा और सतर्कता का संदेश फैलाने में सक्षम होंगी यह समर कैंप और आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्राओं के सर्वांगीण विकास में नई दिशा दे रहा है कलेक्टर और जिला प्रशासन की यह पहल बालिकाओं की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और मानसिक सशक्तिकरण के लिए मिसाल साबित हो रही है कार्यक्रम में शामिल छात्राओं ने भी इस प्रशिक्षण को अपनी शिक्षा और जीवन कौशल में महत्वपूर्ण जोड़ बताया।

40 डिग्री तापमान और तेज धूप में भी सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी उम्र और परिवार की खुशहाली के लिए व्रत रखा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के आदिवासी अंचल कुसमी में शनिवार को वट सावित्री व्रत का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया भीषण गर्मी और तेज धूप के बावजूद सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करते हुए व्रत रखा धार्मिक आयोजन सुबह लगभग 10 बजे शुरू हुआ और दोपहर तक चला महिलाएं करीब 1 किलोमीटर दूर से नंगे पैर चलकर वटवृक्ष तक पहुंचीं। वहां उन्होंने वटवृक्ष की 12 परिक्रमा की भगवान को भोग अर्पित किया नारियल फोड़े और पारंपरिक गीतों के बीच पूजा संपन्न की तपती जमीन और तेज धूप भी उनकी आस्था को डिगा नहीं सकी कुसमी ग्राम में स्थित एकमात्र वटवृक्ष के नीचे सैकड़ों महिलाओं की मौजूदगी ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया इस अवसर पर थाना प्रभारी अरुणा द्विवेदी भी पूजा में शामिल हुईं उनके साथ थाना स्टाफ की महिलाएं, व्यापारी परिवारों की महिलाएं और गांव की बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाएं एक साथ पूजा करती दिखीं। थाना प्रभारी ने भी रखा व्रत कुसमी थाना प्रभारी अरुणा द्विवेदी ने स्वयं भी व्रत रखा और महिलाओं के साथ पूरी विधि-विधान के साथ वटवृक्ष की पूजा-अर्चना की वट सावित्री व्रत भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। पुरानी मान्यता है कि माता सावित्री ने अपने तप और संकल्प से अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस प्राप्त किए थे तभी से यह पर्व अखंड सौभाग्य और पति की दीर्घायु के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है सामाजिक एकता का संदेश इस आयोजन की एक प्रमुख विशेषता सामाजिक एकता और समानता रही यहां किसी प्रकार का भेदभाव देखने को नहीं मिला चाहे महिला किसी बड़े पद पर हो या गृहिणी सभी ने एक साथ बैठकर पूजा-अर्चना की।

मंदिर ही है भोजशाला

संपादकीय

इंदौर हाई कोर्ट ने धार की भोजशाला को हिंदू मंदिर घोषित करते हुए एएसआई के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें शुक्रवार को नमाज और मंगलवार को पूजा की अनुमति थी। कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष से मस्जिद के लिए अलग जमीन मांगने को कहा, और यह फैसला अयोध्या मामले की याद दिलाता है।

मध्य प्रदेश के धार में भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद मामले में इंदौर हाई कोर्ट के इस निर्णय पर आश्चर्य नहीं कि भोजशाला परिसर एक हिंदू मंदिर ही था। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग यानी एएसआइ के उस आदेश को रद कर दिया, जिसमें निर्देशित किया गया था कि भोजशाला परिसर में शुक्रवार को नमाज पढ़ी जाएगी और मंगलवार को पूजा होगी।

हाई कोर्ट ने मुस्लिम समाज से सरकार से मस्जिद के लिए अलग से जमीन की मांग करने को कहा है। यह फैसला अयोध्या मामले में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले का स्मरण कराने वाला है। इंदौर हाई कोर्ट के फैसले पर इसलिए किसी को चकित नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि परमार राजवंश के राजा भोज के वंशजों ने भोजशाला परिसर में मां वाग्देवी यानी देवी सरस्वती के मंदिर का निर्माण कराया था। एक समय यह संस्कृत शिक्षण का बड़ा केंद्र था।

इस धार्मिक स्थल के मंदिर होने के साक्ष्य कथित कमाल मौला मस्जिद की दीवारों पर उससे भी स्पष्ट रूप से अंकित थे, जैसे अयोध्या में मिले थे। इस विवादित स्थल को लेकर इंदौर हाई कोर्ट इसलिए अपना फैसला दे सका, क्योंकि यह स्थल 1958 के अधिनियम के तहत एक एएसआइ संरक्षित स्मारक है। यदि ऐसा नहीं होता तो 1991 में पारित धार्मिक स्थल अधिनियम के चलते इस स्थान की यथास्थिति कायम रहती। दुर्भाग्य से इस भेदभावपूर्ण अधिनियम के चलते धार जैसे अन्य मामलों का निस्तारण नहीं हो पा रहा है और इसके चलते समय-समय पर विवाद उभरते रहते हैं, जो सांप्रदायिक सद्भाव पर बुरा असर डालते हैं।

यह अच्छा है कि धार मामले में हाई कोर्ट की ओर से फैसला आने के कारण किसी तरह का सांप्रदायिक विग्रह देखने को नहीं मिला, लेकिन इतना तो है ही कि इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। इस प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट का फैसला जो भी हो, इसकी अनदेखी न की जाए कि इस तरह के न जाने कितने मामले हैं। उनके निस्तारण में जो धार्मिक स्थल अधिनियम बाधक है, उसे भी चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट के लिए उचित यह होगा कि वह इस अधिनियम के खिलाफ दायर याचिकाओं का निपटारा शीघ्र करे।

इसी के साथ यह भी उचित होगा कि विवादित धार्मिक स्थलों को संबंधित पक्ष अर्थात हिंदू और मुस्लिम आपसी सहमति से सुलझाएं। इससे उनमें सद्भाव बढ़ेगा।

कब तक दोहराई जाती रहेंगी निर्भया जैसी त्रासदियां?

ललित गर्ग

दिल्ली के नांगलोई में एक निजी बस के भीतर महिला के साथ हुई बस कंडक्टर एवं ड्राइवर के दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस भयावह सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का आईना है, जो वर्षों से हमारे सामने खड़ी है। चौदह वर्ष पहले निर्भया कांड के बाद देश की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा था। लोगों ने सोचा था कि अब व्यवस्था बदलेगी, कानून सख्त होंगे, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और समाज अपनी सोच बदलेगा। लेकिन आज जब उसी प्रकार की घटनाएं पुनः पुनः सामने आती हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा होकर उठता है कि आखिर हम बदले कहां हैं? सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? इसका उत्तर केवल कानून की कमजोरी में नहीं, बल्कि समाज की उस विकृत मानसिकता में छिपा है, जहां महिला को आज भी बराबरी के सम्मान के साथ नहीं देखा जाता। आधुनिकता के चमकदार दावों के बीच भी पुरुष प्रधान सोच का अंधेरा जस का तस मौजूद है। महिलाओं को व्यक्ति नहीं, बल्कि उपभोग की वस्तु मानने वाली सोच आज भी अनेक मन-मस्तिष्कों में गहराई तक बैठी हुई है। यही कारण है कि सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों, स्कूल-कॉलेजों और यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाएं असुरक्षा का अनुभव करती हैं।

विडंबना यह है कि विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के इस दौर में भी समाज स्त्री के सम्मान और सुरक्षा के बुनियादी संस्कार विकसित नहीं कर पाया। बच्चों को शिक्षा तो दी जा रही है, लेकिन संवेदनाएं नहीं दी जा रहीं। घरों में बेटियों पर नियंत्रण और बेटों को छूट देने वाली मानसिकता आज भी कायम है। एक ओर लड़कियों को 'सावधान रहने' की नसीहत दी जाती है, दूसरी ओर लड़कों को अपने व्यवहार और दृष्टि की मर्यादा सिखाने की गंभीर कोशिश बहुत कम दिखाई देती है। यही असंतुलन आगे चलकर अपराधों की जमीन तैयार करता है। प्रश्न यह भी है कि प्रशासन बार-बार ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम क्यों हो रहा है? निर्भया कांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे, महिला हेल्पलाइन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, पुलिस गश्त और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा उपायों की लंबी घोषणाएं हुईं। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन व्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा कागजों और भाषणों तक सीमित रह गया। निजी बसें आज भी बिना पर्याप्त निगरानी के चल रही हैं। कई स्थानों पर चालक और परिचालकों का समुचित सत्यापन तक नहीं होता। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन अक्सर केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है, बालिकाओं की स्थिति, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर महिलाएं एवं बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगासच्चाई यह है कि हमारी व्यवस्था अपराध होने के बाद सक्रिय होती है, अपराध रोकने के लिये नहीं। हर बार घटना के बाद गिरफ्तारी, जांच और बयानबाजी होती है, लेकिन अपराध की जड़ों तक पहुंचने की गंभीर पहल नहीं दिखाई देती। राजनीतिक दल कुछ दिनों तक आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, मीडिया में बहस चलती है और फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। लेकिन जिन परिवारों की बेटियां इस अमानवीयता का शिकार होती हैं, उनके जीवन में भय, पीड़ा और असुरक्षा स्थायी घाव बनकर रह जाते हैं।

नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण 2026- दोबारा परीक्षा 21 जून को

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

नीट परीक्षा 2027 से पूरी तरह कंप्यूटर आधारित -सवाल वही डिजिटल युग, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था का संकटः क्या तकनीक से तेज हो गया है परीक्षा माफियाओं का नेटवर्क?

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार या प्रवेश का माध्यम नही, करोड़ों युवाओं के सपनों, सामाजिक प्रतिष्ठा और भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाली जीवनरेखा हैं

'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस मॉडल अब तकनीक- संचालित संगठित अपराध में बदल चुका है,जहां डमी कैंडिडेट, डिजिटल इंपर्सोनेशन, बायोमेट्रिक धोखाधड़ी और प्रश्नपत्र खरीद-फरोख्त एक समानांतर उद्योग का रूप ले चुके हैं

वैश्विक स्तरपर भारत आज उस दौर से गुजर रहा है जहां एक ओर डिजिटल क्रांति ने शासन,प्रशासन,शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, व्यापार और नागरिक सुविधाओं को अभूतपूर्व गति दी है,वहीं दूसरी ओर इसी तकनीकी विस्तार ने साइबर अपराध,डेटा चोरी, डिजिटल धोखाधड़ी और संगठित परीक्षा माफियाओं को भी नई ताकत प्रदान कर दी है। आधुनिक तकनीक ने जीवन को आसान बनाया,लेकिन इसी तकनीक का दुरुपयोग व्यवस्था की विश्वसनीयता को चुनौती देने लगा है।विशेष रूप से शिक्षाक्षेत्र में तकनीक आधारित अपराधों ने जिस प्रकार प्रवेश किया है,उसने देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं की साख तक को हिला दिया है।भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार या प्रवेश का माध्यम नहीं हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सपनों, सामाजिक प्रतिष्ठा और भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाली जीवनरेखा हैं।जब इन्हीं परीक्षाओं की गोपनीयता पर सवाल उठने लगें, तब यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं रह जातीबल्कि राष्ट्रीय नैतिक संकट का रूप ले लेती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि, वर्ष 2026 का नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण इसी गहराते संकट का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। 3 मई 2026 को आयोजित हुई मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी को पेपर लीक और व्यापक अनियमितताओं के आरोपों के बाद रद्द करना पड़ा, सरकार ने पुनः परीक्षा की तिथि 21 जून 2026 घोषित की तथा यह भी स्पष्ट किया कि वर्ष 2027 से नीट परीक्षा पूरी तरह कंप्यूटर आधारित यानी सीबीटी मोड में आयोजित की जाएगी। यह निर्णय भारतीय परीक्षा प्रणाली में एक बड़े परिवर्तन का संकेत माना जा रहा है। 22 लाख से अधिक विद्यार्थियों की महीनों की मेहनत, मानसिक तनाव और अभिभावकों की अपेक्षाएं अचानक अनिश्चितता में बदल गई। पूरे देश में छात्रों के विरोध प्रदर्शन, सोशल मीडिया अभियानों और परीक्षा प्रणाली पर तीखे सवालों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत की परीक्षा व्यवस्था अब केवल प्रशासनिक सुधारों से नहीं, बल्कि संरचनात्मक परिवर्तन की मांग कर रही है। विडंबना यह है कि यह संकट ऐसे समय सामने आया, जब सरकार ने वर्ष 2024 में 'पब्लिकएग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट 2024' लागू किया था। इस कानून को आम भाषा में 'एंटी पेपर लीक कानून' कहा जाने लगा। दावा किया गया था कि अब पेपर लीक जैसे अपराधों पर निर्णायक रोक लगेगी, दोषियों को कठोर दंड मिलेगा और परीक्षा प्रणाली अधिक सुरक्षित बनेगी। इस कानून के अंतर्गत संगठित नकल, प्रश्नपत्र लीक, डिजिटल हैकिंग, फर्जीवाड़ा और परीक्षा प्रक्रिया में तकनीकी हस्तक्षेप जैसे अपराधों के लिए कड़ी सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया था। लेकिन 2026 के नीट कांड ने यह दिखा दिया कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होता; अपराधी नेटवर्क यदि तकनीकी रूप से अधिक उन्नत और संगठित हो जाएं, तो वे कानून की कमजोरियों और प्रशासनिक ढिलाई का आसान व सटीकता से रास्ता खोज लेते हैं।

साथियों, आज का पेपरमाफिया पारंपरिक अपराधीनहीं रह गया है। यह एक अत्यंत संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से दक्ष नेटवर्क में बदल चुका है। इसमें शिक्षा संस्थानों से जुड़े लोग,कोचिंग नेटवर्क, साइबर अपराधी, डेटा ब्रोकर, स्थानीय एजेंटतकनीकी विशेषज्ञ और कई बार भ्रष्ट अधिकारी तक शामिल पाए जाते हैं। यही कारण है कि प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं केवल किसी एक राज्य या परीक्षा तक सीमित नहीं रह गई। यह समस्या राष्ट्रीय स्तर पर फैल चुकी है। तकनीक का उपयोग अब केवल पढ़ाई या ऑनलाइन आवेदन तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्लूटूथ डिवाइस, माइक्रो ईयरपीस, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग, डार्क वेब चैनल और डिजिटल भुगतान नेटवर्क के जरिए संगठित धोखाधड़ी को आसान व सटीकता से अंजाम दिया जा रहा है। साथियों, नीट-यूजी 2026 विवाद के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने 15 मई 2026 को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दोषियों को पाताल से भी ढूंढ निकाला जाएगा और किसी भी स्तर पर अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। यह बयान केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं था, बल्कि उस जनआक्रोश का प्रतिबिंब था जो पूरे देश में दिखाई दे रहा था। सरकार ने पुनः परीक्षा की तिथि 21 जून 2026 घोषित की तथा यह भी स्पष्ट किया कि वर्ष 2027 से नीट परीक्षा पूरी तरह कंप्यूटर आधारित यानी सीबीटी मोड में आयोजित की जाएगी। यह निर्णय भारतीय परीक्षा प्रणाली में एक बड़े परिवर्तन का संकेत माना जा रहा है।नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण बदलाव घोषित किए गए। छात्रों को परीक्षा केंद्र शहर बदलने की सुविधा देने का निर्णय लिया गया ताकि जिन क्षेत्रों में अनियमितताओं की आशंका रही, वहां के विद्यार्थी अपनी पसंद के शहर में परीक्षा दे सकें। एडमिट कार्ड 14 जून तक जारी करने की घोषणा की गई और दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक परीक्षा समय निर्धारित किया गया, जिसमें अतिरिक्त 15 मिनट का समय भी जोड़ा गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि दोबारा परीक्षा के लिए छात्रों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह निर्णय छात्रों के मानसिक और आर्थिक दबाव को कम करने के उद्देश्य से लिया गया। लेकिन वास्तविक प्रश्न केवल पुनर्परीक्षा का नहीं है। बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? क्या भारत की पारंपरिक पेन-एंड-पेपर परीक्षा प्रणाली अब अप्रासंगिक हो चुकी है? क्या परीक्षा माफिया तकनीकी रूप से प्रशासन से आगे निकल चुके हैं? और क्या केवल सीबीटी मोड में परिवर्तन से यह समस्या समाप्त हो जाएगी?

साथियों, इन प्रश्नों के उत्तर खोजने के लिए हमें भारत की परीक्षा संस्कृति और उसके सामाजिक-आर्थिक दबावों को समझना होगा। भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल अकादमिक प्रक्रिया नहीं हैं। मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में प्रवेश को सामाजिक प्रतिष्ठा, आर्थिक सुरक्षा और पारिवारिक सम्मान से जोड़ दिया गया है। लाखों परिवार अपनी पूरी बचत कोचिंग, हॉस्टल और अध्ययन सामग्री पर खर्च करते हैं। कई विद्यार्थी वर्षों तक ड्रॉप लेकर तैयारी करते हैं। ऐसी स्थिति में जब सफलता का दबाव अत्यधिक बढ़ जाता है, तब अवैध रास्तों का आकर्षण भी बढ़ने लगता है। यही वह जमीन है जहां परीक्षा माफिया अपना नेटवर्क तैयार करते हैं। साथियों, यहां 2003 में रिलीज हुई प्रसिद्ध फिल्म मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस का संदर्भ अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत होता है। उस समय दर्शकों ने फिल्म को एक मनोरंजक कॉमेडी-ड्रामा के रूप में देखा था, जिसमें मेडिकल शिक्षा व्यवस्था की खामियों और फर्जी प्रवेश संस्कृति पर व्यंग्य किया गया था। लेकिन आज वास्तविक जीवन में जो घटनाएं सामने आ रही हैं,उन्होंने यह एहसास करा दिया है कि वह केवल फिल्मी कल्पना नहीं थी। 'मुन्ना भाई' मॉडल अब तकनीक-संचालित संगठित अपराध में बदल चुका है, जहां डमी कैंडिडेट, डिजिटल इंपर्सोनेशन, बायोमेट्रिक धोखाधड़ी और प्रश्नपत्र खरीद-फरोख्त एक समानांतर उद्योग का उच्च स्तरीय रूप ले चुके हैं।

साथियों साइबर अपराध और परीक्षा प्रणाली के इस गठजोड़ ने प्रशासन के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। पहले प्रश्नपत्र प्रिंटिंग प्रेस या परिवहन के दौरान लीक होते थे, लेकिन अब डिजिटल सर्वर, एन्क्रिप्टेड डेटा ट्रांसफर और नेटवर्क सुरक्षा भी जोखिम में हैं। यदि परीक्षा डेटा का प्रबंधन पर्याप्त साइबर सुरक्षा के साथ न किया जाए, तो हैकिंग, डेटा चोरी और अंदरूनी मिलीभगत के जरिए पूरी प्रणाली प्रभावित हो सकती है। यही कारण है कि विशेषज्ञ केवल कानूनी सख्ती नहीं, बल्कि साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन पर भी सटीकता से जोर दे रहे हैं।

साथियों, भारत में सीबीटी यानी कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली को भविष्य कासमाधान माना जा रहा है। दुनिया के कई विकसित देशों में बड़े पैमाने की प्रवेश परीक्षाएं डिजिटल माध्यम से आयोजित होती हैं। इससे प्रश्नपत्र वितरण, परिवहन और प्रिंटिंग से जुड़े जोखिम कम हो जाते हैं। प्रत्येक उम्मीदवार के लिए प्रश्नों का क्रम बदलना, अलग-अलग सेट बनाना और रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव हो जाती है। एआई आधारित निगरानी, फेस रिकग्निशन और डिजिटल लॉगिंग जैसी तकनीकें परीक्षा पारदर्शिता को मजबूत बना सकती हैं। भारत में भी बैंकिंग, प्रबंधन और सरकारी भर्ती की अनेक परीक्षाएं पहले से सीबीटी मोड में सफलता पूर्वक आयोजित हो रही हैं।हालांकि केवल सीबीटी मोड अपनाना अंतिम समाधान नहीं माना जा सकता। डिजिटल परीक्षा प्रणाली के अपने खतरे भी हैं। यदि साइबर सुरक्षा कमजोर रही, तो सर्वर हैकिंग, रिमोट एक्सेस, सॉफ्टवेयर मैनिपुलेशन और डेटा टैंपरिंग जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में इंटरनेट और कंप्यूटर सुविधाओं की असमानता भी एक बड़ी चुनौती है। भारत जैसे विशाल देश में करोड़ों छात्रों के लिए समान डिजिटल अवसंरचना उपलब्ध कराना आसान नहीं होगा। इसलिए सीबीटी प्रणाली के साथ साइबर सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता और तकनीकी पारदर्शिता को समान प्राथमिकता देनी होगी। नीट विवाद ने एक और गंभीर प्रश्न खड़ा किया है क्या परीक्षा आधारित शिक्षा मॉडल स्वयं संकट में है? आज पूरी शिक्षा व्यवस्था अंक, रैंक और कटऑफ की होड़ में बदल चुकी है। छात्रों पर मानसिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। कोचिंग उद्योग अरबों रुपये का व्यवसाय बन चुका है। जब सफलता को केवल परीक्षा परिणामों से मापा जाता है, तब नैतिकता कमजोर पड़ने लगती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल परीक्षा सुरक्षा बढ़ाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को अधिक बहुआयामी, कौशल आधारित और मानसिक स्वास्थ्य के अनुकूल बनाना होगा।

साथियों, इस पूरे घटनाक्रम में सोशल मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। एक्स, यूट्यूब, टेलीग्राम और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर छात्रों ने अपनी आवाज बुलंद की। लाखों पोस्ट, वीडियो और लाइव चर्चाओं ने सरकार पर दबाव बनाया। यह डिजिटल लोकतंत्र की शक्ति भी है और चुनौती भी। जहां एक ओर सोशल मीडिया पारदर्शिता और जनदबाव का माध्यम बना, वहीं दूसरी ओर अफवाहें, फर्जी दस्तावेज और भ्रामक सूचनाएं भी तेजी से फैलीं। इसलिए डिजिटल युग में सूचना प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है जितना परीक्षा प्रबंधन।केंद्रीय जांच ब्यूरो को जांच सौंपे जाने के बाद कई गिरफ्तारियां हुई हैं और जांच एजेंसियां सक्रिय रूप से नेटवर्क की परतें खोल रही हैं। लेकिन यह केवल कुछ व्यक्तियों की गिरफ्तारी का मामला नहीं है। यह उस व्यापक समानांतर व्यवस्था को समाप्त करने की चुनौती है जो शिक्षा व्यवस्था की कमजोरियों का फायदा उठाकर फल-फूल रही है। यदि समाज, प्रशासन, शिक्षा संस्थान और तकनीकी विशेषज्ञ मिलकर दीर्घकालिक सुधार नहीं करेंगे, तो हर नया कानून कुछ समय बाद अप्रभावी साबित हो सकता है।

साथियों, वास्तव में, 'पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट 2024' की विफलता का अर्थ यह नहीं है कि कानून अनावश्यक था,बल्कि यह दर्शाता है कि कानून के साथ मजबूत क्रियान्वयन, तकनीकी क्षमता, जवाबदेही और संस्थागत ईमानदारी भी आवश्यक है। किसी भी कानून की सफलता उसके लागू होने की दक्षता पर निर्भर करती है। यदि परीक्षा संचालन में शामिल तंत्र पारदर्शी और जवाबदेह न हो, तो सबसे कठोर कानून भी कागज तक सीमित रह जाते हैं।आज भारत एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है।

धार से इंडोनेशिया और वॉशिंगटन तक गूंजती ज्ञान की संस्कृति

धार में भोजशाला मां सरस्वती के स्थल को लेकर न्यायालय का आज जो निर्णय आया है, वास्तव में यह उस सनातन चेतना की वैश्विक स्वीकृति है, जिसने हजारों वर्षो से ज्ञान, शिक्षा, कला और सभ्यता को दिशा दी है। दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया द्वारा अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में मां सरस्वती की 16 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित करना इस बात का प्रमाण है कि ज्ञान की देवी किसी एक धर्म, जाति या देश की सीमाओं में बंधी नहीं हैं। कमल पर विराजमान वीणा वादिनी मां सरस्वती आज व्हाइट हाउस से कुछ दूरी पर खड़ी होकर पूरी दुनिया को बता रही हैं कि सभ्यताओं की असली शक्ति शस्त्रों में नहीं, शिक्षा और संस्कृति में होती है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वस्तुतः भारत के मध्यप्रदेश के धार में स्थित भोजशाला को लेकर आया न्यायिक निर्णय एक बार फिर उस ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सत्य को सामने लाता है, जिसे वर्षों तक विवादों और राजनीति के बीच दबाने का प्रयास किया गया। यह सिर्फ एक इमारत का प्रश्न नहीं है, सही मायनों में देखा जाए तो भारत की ज्ञान परंपरा, मां वाग्देवी की आराधना और सांस्कृतिक स्मृति का विषय है, जोकि भारत भूमि से विश्व के हर कोने तक पहुंचा है।

सनातन परंपरा में मां सरस्वती देवी होने के साथ ज्ञान की चेतना हैं। हाथों में वीणा कला का प्रतीक है, पुस्तक ज्ञान का, माला साधना का और श्वेत कमल पवित्रता का संदेश देता है। भारतीय संस्कृति ने सदियों पहले यह स्वीकार कर लिया था कि शिक्षा सिर्फ रोजगार का माध्यम नहीं है, यह तो मनुष्य को संस्कारित करने की प्रक्रिया है। यही कारण है कि मां सरस्वती की उपासना भारत में बच्चों की पहली शिक्षा से लेकर बड़े विद्वानों की साधना तक का हिस्सा रही है।

मुस्लिम बहुल देश ने समझा सरस्वती का महत्व- इंडोनेशिया की लगभग 88 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है, जबकि हिंदुओं की संख्या मात्र तीन प्रतिशत के आसपास है। इसके बावजूद वहां की सरकार ने अमेरिका को मां सरस्वती की प्रतिमा उपहार स्वरूप देकर यह संदेश दिया कि शिक्षा और ज्ञान किसी एक रिलीजन, मत, पंथ (मजहब) की जागीर नहीं होते। इंडोनेशियाई दूतावास ने स्पष्ट कहा भी कि 'यह स्थापना धार्मिक प्रतीक से कहीं अधिक शिक्षा, सांस्कृतिक संवाद और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने का माध्यम है।' यही वह दृष्टि है, जिसने बाली की सांस्कृतिक विरासत को बचाकर रखा और हिंदू परंपराओं को सम्मान दिया।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने सरस्वती प्रतिमा के अनावरण के समय कहा भी कि यह प्रतिमा लोगों के दिल और दिमाग खोलने का काम करेगी और नफरत तथा गलतफहमियों को दूर करेगी। यह संदेश आज पूरी दुनिया के लिए

प्रासंगिक है। धर्मों के संघर्ष, कट्टरता और सांस्कृतिक टकराव के इस दौर में मां सरस्वती का संदेश ज्ञान, संवाद और सह-अस्तित्व का संदेश है। यही कारण है कि अमेरिका जैसे देश में भी यह प्रतिमा लोगों के आकर्षण का केंद्र बन रही है।

आज वॉशिंगटन में स्थापित प्रतिमा को लेकर कहना यही होगा कि यह इस बात का प्रतीक है कि विश्व अब उस भारतीय दर्शन को समझ रहा है, जिसने शिक्षा को ईश्वर का रूप माना। वहीं जब दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम बहुल देश सरस्वती को ज्ञान की सार्वभौमिक देवी के रूप में स्वीकार कर सकता है, तब भारत में अपनी ही सांस्कृतिक धरोहरों को लेकर संकोच और संघर्ष क्यों होना चाहिए? यही प्रश्न भोजशाला विवाद के केंद्र में भी आज खड़ा दिखाई देता है। भारत को भी अपनी शिक्षा और संस्कृति की इसी विरासत को नए आत्मविश्वास के साथ दुनिया के सामने रखना होगा। भोजशाला इसका जीवंत उदाहरण बन सकती है।

भोजशाला सिर्फ भवन नहीं, ज्ञान का तीर्थ- उल्लेखित है कि धार की भोजशाला को लेकर लंबे समय से विवाद चलता रहा है। इतिहासकारों, पुरातत्वविदों और स्थानीय परंपराओं का एक बड़ा वर्ग इसे राजा भोज द्वारा स्थापित मां वाग्देवी के मंदिर और संस्कृत शिक्षा केंद्र के रूप में मानता रहा है। परमार वंश के महान राजा भोज शासक होने के साथ एक महान विद्वान, साहित्यकार और शिक्षा संरक्षक भी थे। उनकी राजधानी धार वर्षों तक भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रमुख केंद्र रही।

भोजशाला में मां सरस्वती की आराधना होती थी और यहां विद्वानों की सभाएं लगती थीं। यही कारण है कि इसे 'विद्या की तपोभूमि' माना गया। यहां से प्राप्त शिलालेख, स्थापत्य शैली, स्तंभों की नक्काशी और संस्कृत अभिलेख इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि यह स्थान भारतीय ज्ञान परंपरा से गहराई से जुड़ा रहा है।

आज का निर्णय और उभरते प्रमाण- आज आए न्यायालयीन निर्णय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्टों ने भोजशाला के संबंध में कई महत्वपूर्ण तथ्यों को पुनः सामने रखा है। सर्वेक्षण में मंदिर स्थापत्य शैली, देवी-देवताओं से जुड़े चिह्न, कमल आकृतियां, संस्कृत शिलालेख और हिंदू प्रतीकों के प्रमाण मिले। यह भी स्पष्ट हुआ कि संरचना के कई हिस्से मूल हिंदू स्थापत्य पर आधारित हैं। इन प्रमाणों ने उस ऐतिहासिक धारणा को बल दिया कि भोजशाला मूलतः मां वाग्देवी का मंदिर और शिक्षा केंद्र थी। वर्षों तक इसे विवादित ढांचे के रूप में देखने की कोशिश हुई, किंतु अब पुरातात्विक तथ्य इतिहास की परतों को खोल रहे हैं।

शिक्षा ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति- किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके हथियारों या आर्थिक आंकड़ों में नहीं, बल्कि उसकी शिक्षा और सांस्कृतिक चेतना में होती है। भारत ने तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशिला जैसी परंपराएं दुनिया को दीं। भोजशाला उसी गौरवशाली परंपरा की एक कड़ी है। मां सरस्वती का संदेश यही है कि ज्ञान विनम्रता देता है और विनम्रता समाज को जोड़ती है।

वॉशिंगटन में खड़ी मां सरस्वती की प्रतिमा और धार की भोजशाला का संघर्ष मिलकर मानो एक ही संदेश दे रहे हैं और वह यही है कि जो सभ्यता अपनी ज्ञान परंपरा को बचा लेती है, वही दुनिया का भविष्य तय करती है। दरअसल, इंडोनेशिया आज मुस्लिम बहुल होकर भी अपनी जड़ों से जुड़े रहकर वही कर रहा है जो भारत की ज्ञान परंपरा रही है, ऐसे में आज आए धार, भोजशाला के न्यायालयीन निर्णय ने बहुत दिनों बाद सरस्वती उपासकों को एक नई खुशी दी है, निश्चित ही इसका सर्वत्र आनन्द मनाया जाना चाहिए।

जिला स्तरीय 'संवाद से संपूर्ण समाधान' शिविर में उमड़ा जनसैलाब, 51 से अधिक आवेदनों का हुआ निराकरण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांपहल सुशासन तिहार 226 के तहत विकासखंड मनेंद्रगढ़ के ग्राम पंचायत तिलोखन में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर संवाद से संपूर्ण समाधान ने प्रशासनिक जवाबदेही और जनविश्वास का बेहतरीन उदाहरण पेश किया शिविर में कलेक्टर संतन देवी जांगड़े और जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम की उपस्थिति में 11 ग्राम पंचायतों के हजारों ग्रामीणों ने हिस्सा लिया ग्रामीण अपनी समस्याओं और आवेदनों के साथ सुबह से ही शिविर स्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने उनकी समस्याओं को गंभीरता और तत्परता से सुना तथा कई मामलों का मौके पर ही समाधान कर राहत प्रदान की। शामिल ग्राम पंचायतें: तिलोखन, घाघरा, पसौरी, चरवाही, केलुआ, डोंडकी, बुलाकीटोला, केल्हारी, मनवारी, डांडहंसावाही, बिछियाटोला

उद्घाटन समारोह: दिया प्रज्वलन के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, उपाध्यक्ष राजेश साहू, जनपद पंचायत अध्यक्ष जानकी बाई कुसरो, जिला पंचायत सदस्य अनीता सिंह और उजीत नारायण, जनपद उपाध्यक्ष ज्योति गुप्ता, जनपद सदस्य अशोतिया बाई, शांति, सुरतिया और विधायक प्रतिनिधि रवि गुप्ता ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

शिविर में शामिल विभाग और गतिविधियाँ: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बिहान योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, समाज कल्याण, कृषि, उद्यानिकी, वन, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, खाद्य, पुलिस, पशु चिकित्सा, आयुष, जल संसाधन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, क्रेडा और आयुष्मान भारत विभागीय स्टॉलों पर ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी गई और त्वरित समाधान उपलब्ध कराया गया।

मुख्य उपलब्धियां: कुल 51 से अधिक आवेदनों का निराकरण मौके पर ही राहत: आयुष्मान कार्ड (5), वय वंदन कार्ड (2), किसान किताब (17, व्हीलचेयर/बैसाखी/श्रवण यंत्र (4), ड्रेस वितरण (9), आवास की चाबी (5), ई-केवाईसी (6), मृदा स्वास्थ्य कार्ड (5), किसान क्रेडिट कार्ड (6), प्रधानमंत्री आवास योजना प्रमाण पत्र (6), गणवेश वितरण (2)। राशन कार्ड और आधार कार्ड अपडेट की सुविधा। जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह: 'मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन गांव-गांव पहुंच रहा है, यह शिविर जनहितैषी शासन का उदाहरण है जनपद पंचायत अध्यक्ष जानकी बाई कुसरो: 'राज्य सरकार आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है ग्रामीणों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील उपाध्यक्ष राजेश साहू: शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत सेतु बन चुका है सभी आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। ग्रामीणों को अब कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं।

शिवपुरी में वीएचपी नेता की कार में तोड़फोड़, अज्ञात आरोपी की तलाश जारी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित शंकर कॉलोनी में बीती रात विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के नगर अध्यक्ष प्रकाश सोनी की थार रॉक्स कार में अज्ञात व्यक्ति द्वारा तोड़फोड़ की गई पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार प्रकाश सोनी की कार मामा टावर के पास खड़ी थी देर रात किसी अज्ञात व्यक्ति ने पत्थर मारकर कार के पिछले शीशे को पूरी तरह तोड़ दिया इसके साथ ही कार के सामने वाले शीशे और म्यूजिक सिस्टम को भी नुकसान पहुंचा है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रकाश सोनी सीधे कोतवाली थाना पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू कर दी है आरोपी की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शहर में इस तरह की घटना दुर्लभ है लेकिन हर मामले में आरोपी को पकड़ने और न्याय दिलाने के लिए पूरी कोशिश की जाएगी वहीं प्रकाश सोनी ने कहा कि वह मामले में पुलिस के सहयोग से दोषी को सजा दिलाने की उम्मीद रखते हैं शहरवासियों ने भी इस घटना की निंदा की और कहा कि ऐसे कृत्यों से सार्वजनिक और निजी संपत्ति को नुकसान पहुँचता है जो समाज में सुरक्षा और शांति के लिए चिंता का विषय है पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी ने घटना के समय संदिग्ध व्यक्ति देखा हो या जानकारी हो तो तुरंत सूचना दें ताकि आरोपियों को जल्द पकड़ा जा सके।

शिवपुरी में नगर पालिका का अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी, वीर सावरकर पार्क पर विवाद

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर में नगर पालिका द्वारा चलाया जा रहा अतिक्रमण हटाओ अभियान शनिवार को वीर सावरकर पार्क के पास विवादों में घिर गया। अभियान का नेतृत्व नगर पालिका के सीएमओ इशांक धाकड़ कर रहे हैं नगर पालिका की टीम अस्पताल चौराहा और कोर्ट रोड क्षेत्र सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रही है शनिवार दोपहर नगर पालिका की टीम वीर सावरकर पार्क क्षेत्र में स्टॉलों को हटाने पहुंची जैसे ही जेसीबी ने स्टॉल हटाने की कार्रवाई शुरू की वहां मौजूद स्टॉल संचालकों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया कुछ देर तक मौके पर बहस और हंगामे की स्थिति बनी रही विवाद बढ़ते देख नगर पालिका अमले को कार्रवाई रोकनी पड़ी। स्टॉल संचालक इरशाद खान ने बताया कि वह पिछले 15 वर्षों से बाइक शॉकर भरने का काम कर रहे हैं उनका कहना है कि अब तक किसी प्रकार का विवाद नहीं हुआ लेकिन एक दुकानदार की शिकायत पर नगर पालिका ने अचानक कार्रवाई कर दी उन्होंने नगर पालिका पर आरोप लगाया कि उन्हें किसी नोटिस या पूर्व सूचना के माध्यम से मौके पर बुलाया नहीं गया जिससे वे तैयार नहीं थे दूसरी ओर धर्मेंद्र राठौर ने बताया कि वह करीब 20 वर्षों से वेल्डिंग की दुकान चला रहे हैं उनका कहना है कि उनकी दुकान पर कभी किसी ने आपत्ति नहीं जताई बावजूद इसके नगर पालिका की जेसीबी पहुंच गई और स्टॉल हटाने का प्रयास किया गया। नगर पालिका द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

लगातार जारी है अस्पताल चौराहा, कोर्ट रोड और अन्य प्रमुख मार्गों पर सड़क किनारे किए गए कब्जों को हटाया जा रहा है नगर पालिका का दावा है कि यह कार्रवाई शहर के सार्वजनिक मार्गों को मुक्त करने और यातायात सुचारू बनाने के उद्देश्य से की जा रही है। नगर पालिका ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में अतिक्रमण हटाने के लिए पूर्व नोटिस जारी करना और उचित प्रक्रिया अपनाना सुनिश्चित किया जाएगा इस अभियान का उद्देश्य केवल अवैध कब्जों को हटाना नहीं बल्कि शहर में सुरक्षित और व्यवस्थित सार्वजनिक स्थल सुनिश्चित करना भी है। शिवपुरी शहर में अतिक्रमण हटाने की यह पहल नागरिकों और व्यापारियों के बीच मिश्रित प्रतिक्रिया पैदा कर रही है जहां कुछ लोग इसे सार्वजनिक हित में आवश्यक मानते हैं, वहीं कई पुराने स्टॉल संचालक अपनी व्यापारिक गतिविधियों में अचानक हस्तक्षेप को लेकर असंतोष जता रहे हैं।

नर्मदापुरम में महिला को होमगार्ड और एसडीईआरएफ जवानों ने डूबने से बचाया

सेठानी घाट पर गहरे पानी में फिसली महिला को बहादुरी से निकाला, परिवार ने जताई आभार

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदा नदी में शनिवार को हुई एक साहसिक घटना ने होमगार्ड और एसडीईआरएफ जवानों की बहादुरी को उजागर किया।सेठानी घाट पर दोपहर करीब 12 बजे एक महिला डूबने लगी जिसे समय रहतेएसडीईआरएफ जवान कर्मवीर गढ़वाल और होमगार्ड सैनिक श्याम सिंह राजपूत ने बहादुरी से बचाया।

जानकारी के अनुसार महिलाइंदौर की रहने वाली थी और अपने परिवार के साथशनि अमावस्या के अवसर पर नर्मदा स्नान के लिए घाट पर आई थी। दोपहर करीब 12 बजे जब महिला नदी में स्नान कर रही थी तो अचानक उसका पैर फिसला और वहगहरे पानी में चली गई महिला के डूबने की आवाज सुनकर परिजन मदद के लिए चिल्लाने लगे। घाट पर तैनात जवानों ने तुरंतसुरक्षा कदम उठाए। एसडीईआरएफ के कर्मवीर गढ़वाल और होमगार्ड सैनिक श्याम सिंह राजपूत नेनदी में छलांग लगाकर महिला को बचाया और किनारे लाए बचाव के दौरान महिला के पेट से पानी बाहर निकाला गया महिला थोड़ी देर के बाद सामान्य स्थिति में लौट आई इसके बाद महिला और उसके परिवार ने जवानों कोधन्यवाद दिया, हालांकि उन्होंने अपना नाम सार्वजनिक नहीं किया। सेठानी घाट पर तैनात होमगार्ड जवान लगातार लोगों कोगहरे पानी में न जाने की चेतावनी देते हैं बार-बारपब्लिक अनाउंसमेंट भी किया जाता है लेकिन बावजूद इसके कई लोग सावधानी नहीं बरतते और गहरे पानी में चले जाते हैं विशेषज्ञों और प्रशासन का कहना है किपोस्ट ऑफिस घाट और हर्बल पार्क घाट पर भी रोजाना सैकड़ों लोग गहरे पानी में स्नान करते हैं इससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है इस प्रकार की घटनाओं से सीख लेते हुए प्रशासन ने आगाह किया है किसुरक्षा निर्देशों का पालन करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। एसडीईआरएफ और होमगार्ड जवानों की इस बहादुरी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया किसंकट में समय पर सही कार्रवाई जीवन बचा सकती है। प्रशासन ने भी जवानों की सराहना की है और उन्हेंसम्मानित करने की योजना बनाई जा रही है। यह घटना न सिर्फसुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देती है बल्कि लोगों को यह संदेश भी देती है किनदी और घाट में स्नान करते समय सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है।

जय स्तंभ चौक से शुरू हुआ अभियान, सड़क किनारे कब्जे हटाने में नगर पालिका और पुलिस ने किया सहयोग

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। शनिवार दोपहर सिवनी मालवा नगर में प्रशासन ने एक व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया यह अभियान जय स्तंभ चौक से शुरू होकर गांधी चौक, ठाकुर मोहल्ला गली और जेल रोड सहित शहर के प्रमुख मार्गों में केंद्रित रहा अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क और फुटपाथ पर किए गए अवैध कब्जों को हटाकर यातायात को सुचारू बनाना और आम नागरिकों की सुविधा सुनिश्चित करना था। अभियान के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) विजय राय स्वयं मौके पर मौजूद रहे उनके साथ नगर पालिका का अमला, राजस्व विभाग की टीम और पुलिस बल भी तैनात रहा प्रशासन की देखरेख में नगर पालिका कर्मचारियों ने सड़क और फुटपाथ पर रखे सामान को जब्त किया। कई दुकानदारों ने अपनी दुकानों के बाहर सड़क तक सामान फैला रखा था जिससे पैदल यात्री और वाहन चालकों को भारी असुविधा हो रही थी प्रशासन ने ऐसे व्यापारियों को सख्त हिदायत दी और सामान को जब्त कर नगर पालिका की गाड़ियों में लादकर पंचनामा तैयार किया गया। अभियान के दौरान सड़क पर खड़े एक ऑटो और एक ट्रैक्टर को भी यातायात बाधा के कारण जब्त कर थाने भेजा गया प्रशासन और पुलिस बल की मौजूदगी के कारण यह कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई कई स्थानों पर लोग जमा हो गए जिन्हें प्रशासन ने समझाइश दी और सहयोग करने की अपील की। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि लंबे समय से मुख्य बाजार और प्रमुख मार्गों पर बढ़ते अतिक्रमण के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो गया था विशेषकर स्कूल समय और व्यस्त बाजार घंटों में अक्सर जाम की स्थिति बन जाती थी इस अभियान से आम जनता को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। एसडीएम विजय राय ने कहा नगर में यातायात व्यवस्था बनाए रखना और नागरिकों की सुविधा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है इसलिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा हम दुकानदारों और वाहन चालकों से अपील करते हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें। इस अभियान ने नगर में सड़क और फुटपाथ पर अनुशासन बहाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई प्रशासन ने यह स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्गों पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसे अभियान नियमित रूप से संचालित किए जाएंगे।

मध्यप्रदेश पुलिस का 15 दिवसीय विशेष सड़क सुरक्षा अभियान सफल, 2 करोड़ 87 लाख रुपए से अधिक शमन शुल्क वसूल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 15 दिवसीय विशेष अभियान सफलतापूर्वक संचालित किया। यह अभियान दिनांक 26 अप्रैल से 10 मई 2026 तक पूरे प्रदेश में चलाया गया पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशन एवं पुलिस परिवहन शोध संस्थान, पुलिस मुख्यालय भोपाल के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान का मुख्य लक्ष्य दो-पहिया वाहन चालकों, विशेषकर युवा एवं महिला चालकों में हेलमेट उपयोग और सुरक्षित यातायात व्यवहार के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। अभियान के दौरान प्रदेश के सभी जिलों में विद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों औद्योगिक प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए पुलिस अधिकारियों एवं यातायात अमले ने नागरिकों को बताया कि हेलमेट पहनना केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि जीवन सुरक्षा का महत्वपूर्ण साधन है युवाओं को यह संदेश दिया गया कि सुरक्षित यातायात केवल नियमों का पालन नहीं बल्कि स्वयं और परिवार की सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है अभियान के दौरान हेलमेट न पहनने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सघन चालानी कार्यवाही की गई। इस अवधि में कुल 97,965 चालान बनाए गए जिससे लगभग 2 करोड़ 87 लाख 64 हजार 200 रुपए की शमन शुल्क राशि वसूल की गई इसके साथ ही गंभीर उल्लंघनों के मामलों में 5,253 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन के लिए क्क्ष्स मशीन के माध्यम से परिवहन विभाग को भेजे गए प्रदेश के सभी जिलों ने अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई जिसमें इंदौर शहर, जिला रीवा और जिला मैहर का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा पुलिस ने यह भी सुनिश्चित किया कि अभियान के माध्यम से नागरिकों में सुरक्षित और अनुशासित यातायात व्यवहार विकसित हो और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए। मध्यप्रदेश पुलिस ने कहा कि सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता और प्रवर्तन अभियान निरंतर संचालित किए जाएंगे इसका उद्देश्य न केवल नियमों का पालन कराना है बल्कि नागरिकों में सुरक्षित यातायात संस्कृति का विकास करना भी है। मध्यप्रदेश पुलिस प्रदेशवासियों से अपील करती है कि वे स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दो-पहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें, यातायात नियमों का पालन करें, और सुरक्षित एवं अनुशासित यातायात व्यवस्था बनाने में सहयोग दें। इस अभियान की सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संगठित प्रयास और जागरूकता के माध्यम से सड़क सुरक्षा बढ़ाई जा सकती है और दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

मनेंद्रगढ़ में रेलवे मॉकड्रिल: NDRF के साथ राहत-बचाव कार्यों का किया प्रभावशाली प्रदर्शन, अधिकारियों ने बस से सुशासन तिहार शिविर में पहुंचकर ईंधन बचत और सामूहिक परिवहन का संदेश दिया

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार को रेलवे प्रशासन द्वारा बड़ी आपदा से निपटने के लिए मॉकड्रिल का आयोजन किया गया इस अभ्यास में रेलवे आपदा प्रबंधन टीम और NDRF की संयुक्त टीम शामिल रही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग इस अभ्यास को देखने पहुंचे। मॉकड्रिल के दौरान यात्री ट्रेन दुर्घटना का सीन तैयार किया गया इसमें रेलवे, एनडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग और अन्य एजेंसियों द्वारा मिलकर राहत एवं बचाव कार्य किए जाने का अभ्यास दिखाया गया टीमों ने कोच में फंसे यात्रियों को सुरक्षित निकालना, घायलों को प्राथमिक उपचार देना और एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाना का व्यावहारिक प्रदर्शन किया राहत कार्यों में गैस कटर, हाइड्रोलिक मशीन और आधुनिक उपकरणों का उपयोग किया गया मौके पर मेडिकल टीम भी तैनात रही जिन्होंने घायलों का तत्काल इलाज और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं का अभ्यास किया। रेलवे के एडीआरएम ऑपरेशन श्रीनिवशन ने बताया कि इस मॉकड्रिल का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विभागों के बीच तालमेल और आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है उन्होंने कहा कि समय-समय पर ऐसे अभ्यास किए जाते हैं ताकि हादसे में जान-माल का नुकसान कम से कम हो। कार्यक्रम में बिलासपुर मंडल के रेलवे अधिकारी, आरपीएफ, स्थानीय प्रशासन और NDRF के अधिकारी उपस्थित रहे अंत में अधिकारियों ने राहत कार्यों की समीक्षा की और टीमों को आवश्यक निर्देश दिए। इसी दिन जिला प्रशासन ने सुशासन तिहार शिविर में सामूहिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर संतन देवी जांगड़े के निर्देश पर अधिकारियों की अनोखी पहल की कलेक्ट्रेट परिसर से अधिकारियों ने बस के माध्यम से ग्राम तिलोखन तक यात्रा की और शिविर में शामिल हुए।

शनि अमावस्या पर 9 हजार श्रद्धालुओं ने किया स्नान, सिवनी मालवा के घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

मीडिया ऑडीटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी मालवा तहसील के नर्मदा घाटों पर शनिवार को शनि जयंती और अमावस्या के दुर्लभ संयोग पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली सुबह से ही हजारों लोग मां नर्मदा में स्नान करने पहुंचे करीब 9 हजार श्रद्धालुओं ने पवित्र डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की और पुण्य लाभ कमाया। बाबरी घाट और भिलाडिया घाट सहित अन्य नर्मदा तटों पर सुबह तड़के से ही लोगों का आना शुरू हो गया था शनि जयंती और अमावस्या एक साथ होने के कारण इस दिन स्नान का विशेष महत्व माना गया इसी वजह से बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बुजुर्ग घाटों पर पहुंचे सुबह 11 बजे तक भिलाडिया घाट पर करीब 4 हजार और बाबरी घाट पर लगभग 5 हजार श्रद्धालुओं ने स्नान किया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा की पूजा-अर्चना की और आरती उतारी कई लोगों ने धार्मिक अनुष्ठान किए और दान-पुण्य भी किया दिनभर घाटों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे।

बुरहानपुर में 22 मई को रोजगार मेला

मीडिया ऑडीटर,बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले में युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 22 मई 2026 को जिला स्तरीय रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) नेपानगर में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा। मेले का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र और आईटीआई बुरहानपुर द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

निजी कंपनियों में 300 से ज्यादा नौकरियों का मौका : जिला रोजगार अधिकारी के अनुसार मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित निजी कंपनियों द्वारा 300 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। युवाओं को एक ही स्थान पर रोजगार, प्रशिक्षण और स्वरोजगार से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। मेले में शासकीय विभागों द्वारा युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही कौशल विकास से जुड़े कार्यक्रमों और प्रशिक्षण के बारे में भी मार्गदर्शन किया जाएगा, ताकि युवा अपने भविष्य के लिए बेहतर विकल्प चुन सकें।

ये दस्तावेज साथ लाना जरूरी : मेले में शामिल होने वाले आवेदकों को अपनी शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, समग्र आईडी की छायाप्रति और पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना होगा।

कई बड़ी कंपनियां होंगी शामिल : रोजगार मेले में क्यूस कॉर्प टाटा कंपनी (महाराष्ट्र), दूध ट्रांसमिशन कंपनी (पुणे), नवल सिंह शक्कर कारखाना (बुरहानपुर), भारतीय जीवन बीमा निगम (बुरहानपुर), एविटेक एनएमसी कंपनी (पीथमपुर) और एसएसके ऑटोमोबाइल कंपनी (गुरुग्राम) सहित कई कंपनियां शामिल होंगी।

शासकीय विभाग लगाएंगे स्टॉल : मेले में विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा भी स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, आदिम जाति कल्याण विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विकास विभाग, अंत्यव्यवसायी विभाग, श्रम विभाग और स्टार स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र शामिल हैं।

बिजली कंपनी द्वारा शिविर लगाकर किया गया बिजली संबंधी समस्याओं का निराकरण

सीहोर मीडिया ऑडीटर,बुरहानपुर (निप्र)। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। महाप्रबंधक श्रीमती पूनम तुमराम ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के साथ सीधा संवाद कर उन्हें त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना और उनकी शिकायतों का त्वरित निराकरण करना है। विद्युत वितरण केन्द्रवार बनाए गये कलस्टरों पर शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविरों में बिजली उपभोक्ताओं की बिल, मीटर, सर्विस केबल, कनेक्शन एवं तकनीकी सेवाओं संबंधी शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है।

NEET-2026 पेपर लीक पर खंडवा में छात्रों का प्रदर्शन :NSUI ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन ; दोषियों पर कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। NEET-2026 परीक्षा में कथित पेपर लीक मामले के विरोध में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI) के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तमपाल सिंह और चंदन राजपूत भी उपस्थित रहे। छात्रों ने इस गंभीर मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। छात्रों और NSUI पदाधिकारियों ने आरोप लगाया है कि कुछ भ्रष्ट तत्वों ने परीक्षा प्रणाली में सेंध लगाकर मेहनती विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है उच्च स्तरीय जांचः देश की सबसे महत्वपूर्ण मेडिकल प्रवेश परीक्षा के पेपर लीक मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच की जाए सख्त कानूनी कार्रवाईः इस कृत्य में शामिल दोषी व्यक्तियों, संस्थाओं और अधिकारियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो। सुरक्षित परीक्षा प्रणालीः भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जाए। छात्रों के साथ न्यायः विद्यार्थियों की मेहनत व सपनों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।

फ्लोराइड युक्त पानी और पेयजल का मुद्दा भी उठा :ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तमपाल सिंह ने किल्लोद ब्लॉक की गंभीर जनसमस्याओं की ओर भी कलेक्टर का ध्यान आकर्षित कियाः बीमार कर रहा फ्लोराइड युक्त पानीः उन्होंने बताया कि किल्लोद ब्लॉक में फ्लोराइड युक्त पानी पीने से लोग बीमार हो रहे हैं। पूर्व में चर्चा के बाद कुएं तो खुदवाए गए थे, लेकिन अब तक कनेक्शन न होने के कारण ग्रामीणों को राहत नहीं मिल पाई है।

भोपाल में स्वीमिंग पूल में डूबा विधायक का कर्मचारी, मौतःदोस्तों के साथ पार्टी करने रिसोर्ट गया था, बिना बताए पानी में चला गया

मीडिया ऑडीटर,बुरहानपुर (निप्र)। भोपाल के कजलीखेड़ा में बने केके रिसार्ट के स्विमिंग पूल में डूबने से विधायक भगवानदास सबनानी के बंगले पर काम करने वाले युवक की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार रात का है। वह दोस्तों के साथ पार्टी करने गया था। दोस्तों ने बताया कि युवक को पूरी तरह से तैरना नहीं आता था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। कजलीखेड़ा कुनाल महावत पिता बलवीर महावत 22 वर्ष निवासी बरखेड़ी विधायक भगवानदास सबनानी के बंगले पर काम करता था। कजलीखेड़ा के केके रिसोर्ट में दोस्त अनीकेत शाक्य, कुनाल और दो अन्य के साथ गया था। चार दोस्त रिसोर्ट के एक हिस्से में बैठे थे। इसी बीच कुनाल वहां से चला गया, कुछ देर नहीं दिखा तब दोस्तों ने उसकी तलाश की। लगा कि कहीं बहार चला गया होगा। बाहर जाकर देखा तो भी नहीं मिला। कॉल करने पर कॉल नहीं लगा। तब उसकी तलाश शुरू की, स्वीमिंग पूल की ओर गए तो बॉडी पानी में तैरती दिखी। जिसे बाहर निकालने के बाद अस्पताल पहुंचाया।

दोस्त बोला 20 मिनट तक तलाशते रहे : मृतक के दोस्त अनीकेत शाक्य ने बताया कि कुनाल विधायक भगवानदास सबनानी के बंगले पर काम करता था। हम दोस्त शुक्रवार की रात को रिसार्ट में बैठे थे, तभी कुनाल कहीं चला गया। लगा कि वह टायलेट गया होगा, कुछ देर ध्यान नहीं दिया। जब उसने कॉल नहीं पिक किए तो तलाश शुरू की, करीब 20 मिनट तक आस पास देखते रहे। इसके स्वीमिंग पूल में बॉडी दिखी। तत्काल पानी से निकालकर उसे पास के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसे देखने से इनकार कर दिया और जेके अस्पताल ले जाने की सलाह दी। वहां पहुंचे तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

खरगोन में पारा 45 डिग्री, 4 दिन हीट वेव अलर्ट 25 किमी घंटे से चल रही लू

मीडिया ऑडीटर,खरगोन (निप्र)। खरगोन में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है, जहां पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। दोपहर में लगभग 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही लू लोगों को परेशान कर रही है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों के लिए हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। इस भीषण गर्मी से अपनी पपीता की फसल को बचाने के लिए किसान सुरक्षा कवच (क्रॉप कवर) का उपयोग कर रहे हैं। किसानों के अनुसार, रोहणी नक्षत्र में लगाई गई फसल को खेत के बढ़ते तापमान से बचाने के लिए क्रॉप कवर लगाए जा रहे हैं। विशेषज्ञ किसान विजय यादव ने बताया कि नर्सरी और खेत के तापमान में लगभग 15 डिग्री का अंतर है। पौधों को झुलसने से बचाने के लिए क्रॉप कवर लगाए गए हैं। 30 डिग्री सेल्सियस तापमान होने तक इनकी निगरानी की जाएगी, जिसके बाद सुरक्षा कवच हटा दिए जाएंगे। जिले में लगभग 20 हजार हेक्टेयर में पपीता की फसल लगाई गई है। उद्यानिकी उपसंचालक केके गिरवाल के अनुसार, पपीता की रोपाई के बाद शुरुआती तापमान को नियंत्रित रखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने सलाह दी कि क्रॉप कवर, बाड़ या पुरानी साड़ियों का उपयोग करके पौधों को लू से बचाया जा सकता है। शहर में सुबह 11 बजे से ही लू के थपेड़े महसूस होने लगते हैं, जिससे शाम 5 बजे तक घर से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, राजस्थान और गुजरात से आ रही शुष्क हवाओं के कारण भीषण गर्मी और हीट वेव का असर देखा जा रहा है। अगले चार दिनों यानी 20 मई तक तेज लू के हालात बने रहने की संभावना है।

ट्रेन से गिरी महिला, दाहिना पैर का पंजा कटा पानी लेने उतरी थी, चढ़ते समय बैलेंस बिगड़ा

मीडिया ऑडीटर,पिपरिया (निप्र)। पिपरिया रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को हादसा हो गया। इटारसी-प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन में चढ़ने की कोशिश के दौरान एक महिला नीचे गिर गई, जिससे उसका दाहिना पैर पंजे से कट गया। जीआरपी और आरपीएफ के जवानों ने मौके पर पहुंचकर महिला को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। प्रयागराज की रहने वाली 30 साल की नंदनी कुमारी अपने पति वीरेंद्र गौतम के साथ सफर कर रही थीं। जब ट्रेन पिपरिया स्टेशन पर रुकी, तो वह पानी लेने के लिए प्लेटफॉर्म पर उतरीं। इसी बीच ट्रेन चलने लगी। चलती ट्रेन में चढ़ते समय नंदनी का संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गई।

सीएमएचओ ने किया टीकाकरण शिविरों का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीएमएचओ डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने ग्राम मोगराराम एवं गुड़भेला में आयोजित टीकाकरण शिविरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बच्चों का समय पर टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। टीकाकरण बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने टीकाकरण रजिस्टर के साथ ही वैक्सीन उपलब्धता की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीएमएचओ के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अनेक अधिकारियों ने अलग-अलग केंद्रो पर जाकर शिविरों का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है।

खंडवा में पुल से गिरी बोलेरो, ड्राइवर की मौत

इंदिरा सागर पावर स्टेशन की रिटेनिंग वॉल तोड़कर 200 फीट खाई में गिरी

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा में शुक्रवार सुबह के एक हादसे में बोलेरो ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना इतनी भयावह थी कि कार इंदिरा सागर बांध के बाहरी हिस्से में 200 फीट नीचे गिरी हैं। जिससे कि पावर स्टेशन की रिटेनिंग वॉल क्षतिग्रस्त हो गई हैं। रिटेनिंग वॉल ना होती तो कार सीधे टरबाइन से आने वाले पानी में बह जाती। हादसा, खंडवा-भोपाल हाईवे पर नर्मदानगर ओवरब्रिज पर हुई हैं। यह ओवरब्रिज इंदिरा सागर बांध के मुहाने पर हैं। ब्रिज के शुरूआती एरिया से पावर स्टेशन का रास्ता लगा हैं। जहां बांध प्रशासन ने ब्रिज तक जाल लगा रखा हैं।

भोपाल की तरफ से आई तेज रफ्तार बोलेरो जाल को फांदते हुए नीचे उतर गई। पुलिस ने 200 फीट नीचे उतरकर कार के गेट खोले और ड्राइवर का शव बाहर निकाला। मृतक ड्राइवर की पहचान अभिषेक पिता मायाराम नरगावे (26) निवासी ग्राम अंजनिया खुर्द के रूप में हुई हैं।

सिर-छाती पर चोंट लगने से मौत : नर्मदानगर टीआई विकास खिंची के मुताबिक, मृतक कार ड्राइवर अभिषेक का शव गेट तोड़कर बाहर निकाला गया। जिसकी मौत हो चुकी थी। शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए लाया गया, जहां डॉक्टरों ने सिर और छाती पर गहरी चोंट होने से मौत होना बताया हैं। फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी हैं।

खुद की टैक्सी, राजगढ़ सवारी छोड़ने गया था:

परिजनों के अनुसार, बोलेरो का मालिक मृतक अभिषेक ही हैं। जो कि बोलेरो को टैक्सी के रूप में चलाता था। गुरुवार रात में वह कुछ सवारी को छोड़ने के लिए पुनासा से राजगढ़ गया था। राजगढ़ से लौटते वक्त हादसा हुआ हैं। घटना सुबह करीब 4 बजे के आसपास की हैं। मृतक ड्राइवर अभिषेक अविवाहित हैं।

जनगणना 2027 : मध्यप्रदेश में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य प्रगति पर

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का फील्ड कार्य 01 मई 2026 से प्रारंभ होकर 30 मई 2026 तक संचालित किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मकान, परिवार एवं अन्य संरचनाओं से संबंधित जानकारी डिजिटल माध्यम से संकलित की जा रही है। प्रदेशवासियों द्वारा इस अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता की जा रही है। अभियान के दौरान यह जानकारी प्राप्त हुई है कि कुछ नागरिकों द्वारा स्व-गणना की प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद अपनी स्व-गणना आईडी प्रगणकों के साथ साझा नहीं की जा रही है अथवा साझा करने में संकोच किया जा रहा है। इस संबंध में सचिव गृह विभाग एवं जनगणना नोडल अधिकारी श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने समस्त प्रदेशवासियों से अनुरोध किया है कि यदि परिवार द्वारा स्व-गणना पूर्ण कर ली गई है, तो प्रगणक के आगमन पर अपनी स्व-गणना आईडी अवश्य साझा करें। इससे नागरिकों का समय बचेगा तथा परिवार की सटीक जानकारी जनगणना अभिलेखों में दर्ज की जा सकेगी। नागरिक सही एवं पूर्ण जानकारी देकर जनगणना 2027 के सफल संचालन में सहभागिता सुनिश्चित करें तथा प्रगणकों को आवश्यक सहयोग प्रदान कर राष्ट्र निर्माण के इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाएं। **अधिकृत परिचय पत्र से प्रगणक की पहचान :** जिन परिवारों द्वारा स्व-गणना नहीं की गई है, उनसे आग्रह किया गया है कि वे प्रगणकों को सही, स्पष्ट एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराकर राष्ट्र के इस महत्वपूर्ण कार्य में सहयोग प्रदान करें। प्रत्येक प्रगणक के पास चार्ज अधिकारी द्वारा जारी अधिकृत परिचय पत्र उपलब्ध रहता है। आमजन प्रगणक से उनका परिचय पत्र देखकर उनकी पहचान सुनिश्चित कर सकते हैं। जनगणना संकलन की जानकारी रखी जाएगी गोपनीय जनगणना के अंतर्गत संकलित की गई समस्त जानकारी जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 15 के तहत पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है। इस जानकारी का उपयोग किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध साक्ष्य के रूप में नहीं किया जा सकता। साथ ही, जनगणना के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर किसी व्यक्ति को वर्तमान में प्राप्त किसी हित-लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता तथा न ही कोई नवीन लाभ दिया जा सकता है। जनगणना में प्राप्त जानकारी का उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

अभियान के अंतर्गत 15 मई को वितरण केन्द्र खाचरोद अंतर्गत ग्राम हर्रराजखेड़ी में शिविर लगाया गया

अभियान के अंतर्गत 16 मई को वितरण केन्द्र बागेर अंतर्गत ग्राम समरदा, वितरण केन्द्र कोठरी अंतर्गत ग्राम निपानिया में शिविर लगाया जाएगा। 18 मई को वितरण केन्द्र अमलाहा अंतर्गत ग्राम कालियाखेड़ी, वितरण केन्द्र बिजोरी अंतर्गत ग्राम जानपुरबावड़िया, वितरण केन्द्र बिलकिसगंज अंतर्गत ग्राम वीरपुर, वितरण केन्द्र इछावर अंतर्गत ग्राम सेवनिया, वितरण केन्द्र खजूरीकला अंतर्गत ग्राम सिराड़ी, वितरण केन्द्र अहमदपुर अंतर्गत ग्राम अहमदपुर, वितरण केन्द्र दिवड़िया अंतर्गत ग्राम मूण्डला, वितरण केन्द्र दोराहा अंतर्गत ग्राम तकिया, वितरण केन्द्र नापलाखेड़ी अंतर्गत ग्राम हसनाबाद ।, वितरण केन्द्र श्यामपुर अंतर्गत ग्राम बर्री, वितरण केन्द्र थूना अंतर्गत ग्राम दुपाड़ियाभील, वितरण केन्द्र भाउखेड़ी अंतर्गत ग्राम प्रतापुरा, वितरण केन्द्र ब्रिजिशनगर अंतर्गत ग्राम ब्रिजिशनगर, वितरण केन्द्र सीहोर शहर जोन–1 अंतर्गत वार्ड नं. 1, वार्ड नं. 2, वार्ड नं. 29, वितरण केन्द्र सीहोर शहर जोन–2 अंतर्गत वार्ड नं. 08, वितरण केन्द्र हकीमाबाद अंतर्गत ग्राम खेमपुर, वितरण केन्द्र जावर अंतर्गत ग्राम बमूलिया गंज में शिविर लगाए जायेंगे।

ई-विकास प्रणाली के संबंध में कृषि विभाग एवं आत्मा परियोजना के मैदानी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

मीडिया ऑडीटर,बुरहानपुर (निप्र)। ई-विकास पोर्टल के माध्यम से किसानों को उनके रकबे के अनुसार फसल जैसे मक्का धान, सोयाबीन आदि चयन करने पर एक ही बार में संपूर्ण उर्वरक मिल सकेगा। ई-टोकन प्रणाली में कृषक अपने मोबाइल से आसानी से टोकन जारी कर उर्वरक बुक कर सकते है अथवा एमपी ऑनलाइन केन्द्रों पर 15 रूपये का शुल्क देकर भी टोकन जारी करा सकते हैं।

सिकमी (ठेकेदार/बटाईदार) किसान जो भूमि स्वामी नहीं है वे अपने भू-स्वामी की अनुमति से एग्री स्टेक पोर्टल के माध्यम से अधिकृत प्रतिनिधि किसान बनकर ई-टोकन बुक कर सकते है। वन पट्टाधारी किसान एसडीएम के सत्यापन के उपरांत ई-विकास पोर्टल के माध्यम से उर्वरक बुक कर सकते हैं। मृत शारीरिक रूप से अक्षय एवं वृद्ध किसानों हेतु भी ई-विकास प्रणाली पर उर्वरक व्यवस्था उपलब्ध कराई गयी है। संयुक्त खाताधारी कृषकों जिनमें से एक या अन्य सदस्य किसी अन्य शहर में या देश के बाहर रहते है जिस कारण उनका आधार ओ.डी.सी प्राप्त करना संभव नही हो पाता ऐसे किसानों अथवा संयुक्त खाता धारकों में से किसी एक किसान को नामांकित करने के लिए ई-विकास पोर्टल पर सुविधा उपलब्ध है।

ऐसे करें ई टोकन जारी :

पंजीयन के लिए किसानों को अपना आधार नम्बर एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा। फार्मर आईडी पर रकबा, खसरा एवं फसल की जानकारी अद्यतन होना आवश्यक है।

आधार से लिंक मोबाइल नम्बर पर ओटीपी के माध्यम से पंजीयन की प्रक्रिया करनी होती है इसलिए मोबाइल नम्बर का आधार से लिंक होना आवश्यक है। ई-टोकन जारी करने के लिए ई-विकास पोर्टल के डेशबोर्ड पर ऑप्शन पर क्लिक करने के उपरांत आधार नम्बर प्रविष्ट करना होगा। किसान के आधार से लिंक मोबाइल नम्बर पर ओ.टी.पी. डालने पर उस किसान की भूमि और पट्टे की जानकारी आयेगी।

कृषक को भूमि के लिए फसल तय करना होगा जिससे वांछित खाद की मात्रा स्वतः पोर्टल पर प्रदर्शित होगी। यूरिया के साथ डीएपी अथवा एसएसपी या एनपीके का विकल्प चुनना होगा। चयनित फसल एवं उपलब्ध रकबे के अनुसार आवश्यक उर्वरक का प्रकार चुनने के उपरांत वितरण केन्द्र डबल लॉक केन्द्र एमपी एग्रो सहकारी समिति अथवा निजी विक्रेताओं पर उपलब्ध स्टॉक प्रदर्शित होगा जिसके चयन के उपरांत ई-टोकन जारी हो जायेगी।

उर्वरक का उठाव

जारी टोकन के साथ किसान को 02 दिन के भीतर चयनित वितरण केन्द्र से खाद प्राप्त करना होगा। यदि किसान समय सीमा में खाद नही लेता है तो टोकन स्वतः निरस्त हो जायेगा। खाद के लिए लाइन में लगने की आवश्यकता नही होगी। आवश्यक ध्यान रखने योग्य बात यह है कि जिन किसानों के फार्मर आई.डी. नही बने है उन्हें जल्द से जल्द अपनी फार्मर आई.डी बनवा लेनी चाहिए। विशेष परिस्थिति में फार्मर आईडी न होने पर एसडीएम के अप्रूवल से टोकन बुक करने की सुविधा उपलब्ध करायी गई है। यदि किसान को अतिरिक्त उर्वरक की आवश्यकता है तो वह पोर्टल पर औचित्य दर्ज कर अतिरिक्त उर्वरक प्राप्त कर सकता हैं।

घर में बना रखी थी अवैध शराब की गोदाम रहली पुलिस ने दबिश देकर 99 लीटर शराब पकड़ी

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर की रहली थाना पुलिस ने खमरिया में दबिश देकर एक मकान से अवैध शराब पकड़ी है। आरोपी ने घर को शराब की गोदाम बना रखा था। कार्रवाई के दौरान पुलिस देखकर आरोपी मौके से भाग निकला। मामले में पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार, गुरुवार रात वाहन चेकिंग के दौरान रहली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि वार्ड क्रमांक 2 खमरिया निवासी गुड्डू उर्फ गोविंद उर्फ हरगोविंद सिंह ठाकुर अपने घर में भारी मात्रा में अवैध शराब का भंडारण किए हुए है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने आरोपी के घर दबिश दी। पुलिस टीम को देखकर आरोपी घर के पीछे के दरवाजे से अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने पीछा किया। लेकिन पकड़ नहीं पाई। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के घर के कमरे से 9 कार्टून में रखी सागर गोल्ड व्हिस्की के 450 पाव और 2 प्लास्टिक बोरियों में रखी बाम्बे व्हिस्की के 100 पाव बरामद किए। प्रत्येक पाव 180 एमएल का पाया गया। कार्रवाई में कुल 99 लीटर अवैध शराब, अनुमानित कीमत करीब 60 हजार 500 रुपए जब्त की गई है। रहली थाना प्रभारी सुनील शर्मा ने बताया कि मामले में आरोपी गुड्डू उर्फ गोविंद उर्फ हरगोविंद सिंह ठाकुर के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

रेलवे ने चलाई समर वेकेशन स्पेशल ट्रेनबांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर-बोरीवली के बीच चलेगी

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। समर वेकेशन के दौरान ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को ध्यान में रख रेलवे बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर व गोरखपुर-बोरीवाली के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने जा रहा है। यह ट्रेन 17 व 18 मई से चलेगी। ट्रेन का रतलाम रेल मंडल के रतलाम, नागदा स्टेशन पर स्टॉपेज दिया है। ट्रेन संख्या 09157 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर स्पेशल रविवार, 17 मई को 00.30 बजे बांद्रा टर्मिनस से चलेगी। रतलाम (10.22/10.32 रविवार) एवं नागदा (11.30/11.32 रविवार) होते हुए सोमवार को 17.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09158 गोरखपुर-बोरीवली स्पेशल सोमवार 18 मई को 20.30 बजे गोरखपुर से चलेगी। नागदा (23.47/23.49 मंगलवार) एवं रतलाम (00.49/00.59 बुधवार), होते हुए बुधवार को 11.30 बजे बोरीवली पहुंचेगी। इस ट्रेन में स्लीपर एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

यहां रहेगा स्टॉपेज : यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, बयाना, भरतपुर, मथुरा, हाथरस सिटी, कासगंज, बरेली सिटी, इज्जत नगर, पीलीभीत, मैलानी, सीतापुर, बुढ़वल, गोंडा, बस्ती, एवं खालिलाबाद स्टेशनों पर रुकेगी।

टी-20 विश्व कप जीतने पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ईशान किशन को किया सम्मानित

बिहार ,एजेंसी । टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2026 की ट्रॉफी जिताने में अहम किरदार निभाने वाले विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक करोड़ रुपये की इनामी राशि देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने ईशान को उनके सफल क्रिकेट करियर के लिए शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर ईशान संग तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य, शानदार

बल्लेबाज, बिहार के लाल ईशान किशन को विश्व कप जिताने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए राज्य सरकार द्वारा एक करोड़ रुपये की राशि देकर सम्मानित किया। सफल क्रिकेट करियर के लिए हार्दिक शुभकामनाएं, बिहार का नाम यूं ही रोशन करते रहिए। टी20 विश्व कप 2026 में ईशान का प्रदर्शन दमदार रहा था। नंबर तीन पर खेलते हुए विकेटकीपर-बल्लेबाज ने अहम योगदान दिया। उन्होंने टूर्नामेंट में खेले 9 मुकाबलों में 193 के बेमिसाल स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 317 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से तीन अर्धशतक निकले और उनका सर्वाधिक स्कोर 77 रन रहा। ईशान टी20 वर्ल्ड कप में भारत की ओर से संजू सैमसन के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में भी ईशान ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 25 गेंदों में 54 रनों की तेज तर्रार पारी खेली थी, जिसके बूते भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 255 रन लगाने में सफल रही थी। हालांकि, 256 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम 159 रन बनाकर ढेर हो गई थी।

एस्टन विला ने लिवरपूल को 4-2 से हराया, चैंपियंस लीग के लिए पक्का किया क्वालिफिकेशन

बर्मिंघम ,एजेंसी । एस्टन विला ने शकवार को प्रीमियर लीग में लिवरपूल पर 4-2 से शानदार जीत हासिल करके अगले सीजन के यूईएफए चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया है। एस्टन विला की तरफ से ओली वॉटकिंस ने शानदार दो गोल किए। इस जीत से एस्टन विला 37 मुकाबलों में 62 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, लिवरपूल 59 पॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर आ गया और अब क्लब को चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की करने के लिए एक मुश्किल लड़ाई लड़नी होगी। उनाई एमरी की टीम ने विला पार्क में आक्रामक खेल दिखाया। लिवरपूल ने पहले हाफ में काफी समय तक मैच में कंट्रोल रखा, लेकिन विला ने 42वें मिनट में पहला गोल किया। मॉर्गन रोजर्स के पास पेनल्टी एरिया के बाईं ओर जगह थी और लुकास डिग्ने ने उन्हें पास दिया, और रोजर्स ने आराम से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में जल्द ही लिवरपूल ने बराबरी कर ली। मैच के 52वें मिनट में कप्तान वर्जिल वैन डाइक ने डोमिनिक सोबोस्जलाई के फ्री-किक पर हेडर से गोल किया। कुछ देर बाद मेहमान टीम लगभग मैच में वापसी कर ही ली थी, लेकिन युवा खिलाड़ी रियो न्गुमोहा का दूर से खेला गया जोरदार शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया।

हालांकि, फिर सोबोस्जलाई की बड़ी गलती का फायदा उठाकर विला ने मैच में अपनी पकड़ को दोबारा से मजबूत कर लिया। ओली वॉटकिंस मौके को भुनाने में सफल रहे और उन्होंने शानदार गोल दागा। इसके बाद भी विला का आक्रामक खेल जारी रहा। एमिलियानो बुएंडिया का शानदार कर्लिंग शॉट भी पोस्ट से टकराया। वॉटकिंस ने मैच में अपना दूसरा गोल किया। सिक्स-यार्ड बॉक्स में रिबाउंड पर सबसे तेज़ी से रिएक्ट करते हुए वॉटकिंस ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। इसके बाद विला की मैच पर पकड़ काफी मजबूत हो गई।

सीएसके बनाम एलएसजी: अंशुल कंबोज की हुई जमकर धुनाई, नाम से जुड़ा शर्मनाक रिकॉर्ड

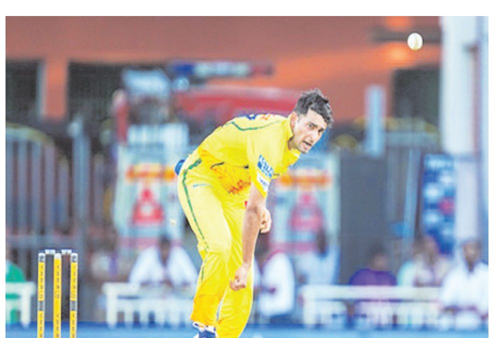

लखनऊ ,एजेंसी । आईपीएल 2026 के 59वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सीएसके के गेंदबाज अंशुल कंबोज इस मुकाबले में काफी महंगे साबित हुए और उन्होंने 2.4 ओवर के स्पेल में बिना कोई विकेट चटकाए 63 रन दिए। अंशुल के खिलाफ एलएसजी की पारी के 17वें ओवर में निकोलस पूरन ने लगातार चार छक्के लगाते हुए टीम को जीत दिलाई। आईपीएल में दूसरा मौका है, जब अंशुल के एक ही ओवर में 4 छक्के लगे हैं। वह आईपीएल इतिहास के पहले ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने दो बार एक ओवर में 4 छक्के खाए हैं। इसके साथ ही अंशुल ने चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से आईपीएल में दूसरा सबसे महंगा स्पेल फेंका। अंशुल के खिलाफ एलएसजी के बल्लेबाजों ने कुल 8 छक्के लगाए।

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने रूस और बेलारूस पहलवानों पर लगी रोक हटाई

जिनेवा ,एजेंसी । यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने घोषणा की है कि रूस और बेलारूस के पहलवानों को तुरंत प्रभाव से यूडब्ल्यूडब्ल्यू कॉम्पिटिशन में बिना किसी रोक के हिस्सा लेने की इजाजत दे दी गई है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू की तरफ से एक प्रेस रिलीज में कहा गया, दोनों देशों के पहलवान अब सीनियर स्तर की प्रतियोगिताओं सहित सभी श्रेणी में अपने-अपने राष्ट्रीय झंडे के नीचे मुकाबला करेंगे। एथलीट और टीम स्टाफ को भी अपनी यूनिफॉर्म पर रूस और बेलारूस की शॉर्ट फॉर्म दिखाने की इजाजत होगी। अगर रूस और बेलारूस के पहलवान गोल्ड मेडल जीतते हैं या उनकी टीमें चैंपियनशिप खिताब जीतती हैं, तो मेडल सेरेमनी के दौरान उनका राष्ट्रगान बजाया जाएगा। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने कहा कि बाकी सभी प्रतियोगिता प्रक्रिया और प्रोटोकॉल मानक अंतरराष्ट्रीय रेसलिंग (कुश्ती) नियमों का पालन करते रहेंगे।

यह नया कदम यूडब्ल्यूडब्ल्यू के नजरिए में एक बड़ा बदलाव दिखाता है, क्योंकि 2022 में यूक्रेन के आसपास जियोपॉलिटिकल झगड़े के बाद पहली बार पाबंदियां लगाई गई थीं। उस साल मार्च में, रेसलिंग गवर्निंग बॉडी ने इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की सिफारिशों के साथ तालमेल बिठाया और रूसी और बेलारूसी पहलवानों और अधिकारियों को यूडब्ल्यूडब्ल्यू कैलेंडर के इवेंट्स में हिस्सा लेने से रोक दिया।

हालांकि, पिछले दो सालों में, यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने धीरे-धीरे उन पाबंदियों में ढील दी है। अप्रैल 2023 में, फेडरेशन ने आईओसी की सुझाई गई सहभागिता निर्देश के तहत रूस और बेलारूस के पहलवानों की योग्यता का आकलन करने के लिए एक स्वतंत्र पैनल बनाया। इसी दौरान, दोनों देशों के अंडर-15 और अंडर-17 श्रेणी के एथलीटों को न्यूट्रल एथलीट के तौर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला करने की इजाजत दी गई।

एलएसजी की धमाकेदार जीत का मजा किरकिरा कप्तान पंत पर लगा 12 लाख का जुर्माना

लखनऊ ,एजेंसी । लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। पंत पर यह जुर्माना एलएसजी और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच हुए मुकाबले में धीमी गति से ओवर फेंकने को लेकर लगा है।

एलएसजी के गेंदबाजों ने सीएसके के खिलाफ 20 ओवर पूरे करने के लिए निर्धारित समय से ज्यादा वक्त लिया। आईपीएल 2026 में यह पहला मौका है, जब एलएसजी के गेंदबाज तय समय में ओवर फेंकने में नाकाम रहे हैं। इसी वजह से कप्तान पंत पर आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल ने एक बयान में कहा, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कैप्टन ऋषभ पंत पर जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम ने शकवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ आईपीएल 2026 के 59वें मैच के दौरान धीमी गति से ओवर फेंके। यह आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत इस सीजन में उनकी टीम की पहली गलती थी, इसलिए ऋषभ पंत पर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया। अपने घरेलू मैदान पर एलएसजी का प्रदर्शन सीएसके के खिलाफ शानदार रहा। कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया।

आईपीएल 2026: हार्दिक पांड्या के बचाव में उतरे अश्विन, बोले- सिर्फ उन पर इल्जाम लगाना ठीक नहीं

नई दिल्ली ,एजेंसी । आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस (एमआई) का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है। टीम का प्लेऑफ में पहुंचने का सपना टूट चुका है। हालांकि, भारत के पूर्व गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि एमआई के खराब प्रदर्शन के लिए सिर्फ हार्दिक पांड्या को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। एमआई ने इस सीजन अब तक कुल 12 मुकाबलों में खेले हैं, जिसमें से टीम को महज 4 मुकाबलों में जीत नसीब हुई है। अश्विन ने ईएसपीएन क्रिकइंफो संग बात करते हुए कहा, मैं इस साल उनकी कप्तानी का बिल्कुल भी रिव्यू नहीं करूंगा। सच कहूं तो, जब आपका सीजन ऐसा जाता है, तो कप्तान पर इल्जाम लगाना काफी गलत है। कोई नहीं आगे आया। टीम खेलने में नाकाम रही और हार्दिक खुद पर इल्जाम ले लें, आप

उनसे कुछ ज्यादा ही करने के लिए कह रहे हैं। अश्विन ने आगे कहा, वह गुजरात टाइटन्स में थे। दो शानदार सीजन खेले (एक में खिताब जीता और एक में रनर-अप)। साफ है कि एक लीडर के तौर पर उन्होंने वहां कुछ सही किया। इसके बाद जब वह मुंबई इंडियंस में लौटे, तो उन्हें काफी कुछ झेलना पड़ा। रोहित शर्मा जैसे मौजूदा भारतीय कप्तान, व्हाइट-बॉल कप्तान की जगह लेना आसान नहीं है। आईपीएल में पांच खिताब। रोहित ने एक टी20 वर्ल्ड कप जीता है और हार्दिक आकर उनकी जगह ले लेते हैं। देश में आपके बहुत सारे फैन हैं। आजकल सोशल मीडिया पर टिके रहने के लिए आपको मोटी चमड़ी रखनी पड़ती है।

अश्विन ने इस बात पर भी जोर दिया कि टीम की नाकामियों के लिए सिर्फ कप्तानी ही जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने कहा, मैं उनकी कप्तानी को ज्यादा जज नहीं करूंगा क्योंकि गेंदबाजी ने भी हर तरफ रन लुटाए हैं। हर बार जब कोई ओवर छह या सात रन के लिए फेंका जाता है, तो 15 रन का ओवर आता है। एक कप्तान के तौर पर आप क्या करते हैं? और हां, उन्होंने कुछ ऐसे फैसले लिए हैं जिन पर बहस हो सकती है। कप्तानी इस बात का नतीजा है कि आपकी टीम आपको कैसा दिखाती है। इसी वजह से मेरा मानना ??है कि जब आपका सीज़न अच्छा हो, तो कप्तान को ज्यादा क्रेडिट न दें। जब आपका सीजन खराब हो, तो उसका ठीकरा कप्तान पर न फोड़ें। कोच के साथ भी ऐसा ही है; कोच खिलाड़ियों को बाहर भेजता है। इसी कारण आप उन्हें ज्यादा दोष नहीं दे सकते।

आईपीएल 2026~ सीजन के पहले मैच में सैमसन, गायकवाड़ और उर्विल का विकेट लेने वाले आकाश के नोट पर क्या लिखा था

लखनऊ,एजेंसी । आईपीएल 2026 में शकवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के लिए आकाश महाराज सिंह ने अपना पहला मैच खेला। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अपने पहले मैच में ही प्रभावी गेंदबाजी की और 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए। विकेट लेने का जश्न मनाते हुए आकाश को पॉकेट से पर्चा निकालते हुए देखा गया। सीएसके की पारी समाप्त होने के बाद उस नोट के बारे में आकाश ने कहा, मेरा मानना ??हमेशा से सिंपल रहा है— अगर आपकी वर्क एथिक और मानसिकता मजबूत है, तभी आप हावी हो सकते हैं। मुझे लगता है कि यह मुझे मोटिवेट करता है। इसके पीछे कोई गहरी कहानी नहीं है। मैंने कुछ ऐसा लिखा था जैसे 'अक्की को टी20 क्रिकेट में विकेट लेना आता है। यह मुझे गेम के दौरान मोटिवेट करता है। कभी-कभी ये चीजें काम करती हैं, कभी-कभी नहीं, लेकिन अगर कोई चीज मुझे मोटिवेटेड रहने और बेहतर परफॉर्म करने में मदद करती है, तो मैं उसे करने को तैयार हूं।

मेरे लिए यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि मैं खुद को अच्छी तरह से एक्सप्रेस करता हूं, और लोग भी मुझसे यही कहते हैं। सच कहूं तो, यह उस माहौल के बारे में है जो आप अपने आसपास बनाते हैं। मैं यह समझने में समय बिताता हूं कि चैंपियन कैसे सोचते हैं और कैसे कड़ी मेहनत करते हैं। युवा गेंदबाज ने कहा, उनका अप्रोच क्लैरिटी और एग्रेशन पर बना था, जिसका मकसद बल्लेबाज से आगे सोचना था। मेरा माइंडसेट हमेशा बड़े विकेट लेने का होता है क्योंकि जब आप आईपीएल में आते हैं, तो आपको सिर्फ खेलने नहीं आना चाहिए - आपको डॉमिनेट करना चाहिए। वह माइंडसेट बहुत जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं सोचते हैं, तो इस तरह की लीग में जहां बल्लेबाजी हर दिन मजबूत होती जा रही है, आप हमेशा पीछे रहेंगे। उन्होंने कहा, आपको स्किल के मामले में एक कदम आगे रहने की जरूरत है, लेकिन साथ ही मेंटल साइड मेरे लिए बहुत मायने रखती है। अगर आप इस गेम में मेंटली डॉमिनेट नहीं करते हैं, तो आप लगातार आगे नहीं बढ़ सकते। इसलिए मेरा तरीका हमेशा हावी होने का होता है और सच कहूं तो बैटर का नाम मेरे लिए ज्यादा मायने नहीं रखता।

अपने स्पेल के बारे में आकाश ने कहा, मैं खुश था। जब आप आईपीएल में नियमित तौर पर नहीं खेल रहे होते हैं, तो आपको लगातार खुद को पुश करते रहना होता है। पूरे सीजन और ऑफ-सीजन में भी, मैं कड़ी मेहनत करता रहा, अभ्यास करता रहा और जो कुछ भी मेरे नियंत्रण में था उस पर फोकस करता रहा। शक है मैच में मेरा अभ्यास काम कर गया। मैं विकेट की जरूरत के हिसाब से और बल्लेबाज की कमजोरियों के हिसाब से गेंदबाजी करने की कोशिश कर रहा था। आईपीएल में आप एक ही प्लान के साथ लगातार गेम नहीं खेल सकते क्योंकि टीमें आपको बहुत जल्दी स्टडी करती हैं। उन्होंने कहा, हमें पिछले गेम से पता था कि उन्होंने कैसे दबदबा बनाया था और उनकी कमजोरियां कहां थीं, इसलिए मेरी कोशिश थी कि मैं अपने स्टाइल को उन एरिया के साथ मिलाऊं और उसी हिसाब से काम करूं। यही प्लान था और शक है कि यह काम कर गया।

अनिमेष कुजूर, मोहम्मद अफसल ने सऊदी एथलेटिक्स जीपी 2026 में दर्ज की शानदार जीत

रियाद ,एजेंसी । अनिमेष कुजूर और मोहम्मद अफसल ने शकवार को रियाद में सऊदी एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2026 में अपने-अपने इवेंट्स में जीत हासिल करके इंटरनेशनल सर्किट पर अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। प्रिंसेस नौराह बिंत अब्दुलरहमान यूनिवर्सिटी स्टेडियम में नेशनल रिकॉर्ड होल्डर अफसल ने पुरुषों की 800 मीटर रेस 1¬48.24 समय में पूरा करके शानदार फिनिश किया। भारतीय धावक ने साउथ अफ्रीका के क्रिस्टोफर स्वार्ट को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 1¬48.50 में रेस पूरी की। वर्नर गौव्स 1¬48.75 के साथ तीसरे स्थान पर रहे। पोलैंड में 1¬44.93 समय के साथ भारतीय नेशनल रिकॉर्ड बनाने वाले अफसल का इंटरनेशल स्तर पर एक और शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। इससे पहले, वह एशियन गेम्स में 1¬48.43 के समय के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम कर चुके हैं।सऊदी एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर में कई देशों के एथलीट शामिल हुए हैं।

कुजूर ने देश के सबसे तेज स्प्रिंटिंग टैलेंट के तौर पर अपनी पहचान भी बनाई और पुरुषों की 200 मीटर रेस का टाइटल 20.77 सेकंड में जीता। ग्रेट ब्रिटेन के डेविड हैरिसन (20.87 सेकंड) और टोबी हैरिस (21.01 सेंकड) को 22 साल के कुजूर ने हराया। इससे पहले, कुजूर पुरुषों की 100 मीटर रेस में टॉप के बहुत करीब थे, उन्होंने 10.44 सेकंड का समय निकाला और हैरिसन के बाद दूसरे स्थान पर रहे, जिन्होंने 10.42 सेकंड में रेस जीती थी।

पूर्व भारतीय नेशनल रिकॉर्ड होल्डर गुरिंदरवीर सिंह ने भी 10.44 सेकंड का समय निकाला, लेकिन फोटो फिनिश के बाद उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। कुजूर के नाम अभी भारत में दोनों स्प्रिंट इवेंट का नेशनल रिकॉर्ड है। पिछले साल, उन्होंने ग्रीस में 10.18 सेकंड में 100 मीटर का नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा था और बाद में एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 20.32 सेकंड का नया 200 मीटर रिकॉर्ड बनाया।

यह युवा स्प्रिंटर पिछले महीने नई दिल्ली में इंडियन एथलेटिक्स सीरीज में स्प्रिंट डबल पूरा करने के बाद रियाद पहुंचने पर भी शानदार फॉर्म में था, उन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर दोनों रेस जीतीं। एम कृषिक ने भारत को एक और पोडियम फिनिश दिलाया, पुरुषों की 110 मीटर हर्डल्स में 13.90 सेकंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। यह 60 मीटर हर्डल्स में भारतीय इनडोर चैंपियन का पहली इंटरनेशनल प्रतियोगिता थी।

47 लाख की रहस्यमयी कार पर उठे सवाल क्या डीजीपी कराएंगे अमरपाटन की चर्चित नगदी कांड की जांच

पुलिस की चुप्पी, सोशल मीडिया की चर्चाएं और सियासी कनेक्शन ने बढ़ाया मामला

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। अमरपाटन थाना क्षेत्र में वर्ष 2025 की एक कथित कार्रवाई अब फिर सुर्खियों में आ गई है। 31 अगस्त 2025 की रात लगभग 7 बजे से 10 बजे के बीच एक कार से भारी मात्रा में नगदी मिलने की खबर ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी। चर्चा रही कि वाहन से करीब 47 लाख 50 हजार रुपए बरामद किए गए थे लेकिन हैरानी की बात यह रही कि मामला थाने तक पहुंचने के बाद धीरे-धीरे ठंडे बस्ते में चला गया। अब एक बार फिर इस कथित प्रकरण को लेकर सवाल उठने लगे हैं और पुलिस की भूमिका पर गंभीर चर्चाएं हो रही हैं सूत्रों के अनुसार उस रात अमरपाटन क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में एक कार को रोका गया था। बताया गया कि वाहन की जांच के दौरान भारी मात्रा में नगदी मिली जिसके बाद पुलिस महकमे में भी हलचल मच गई थी। हालांकि घटना को लेकर न तो कोई आधिकारिक प्रेस नोट जारी किया गया और न ही सार्वजनिक रूप से स्पष्ट जानकारी सामने आई। यही कारण है कि मामला अब रहस्य बनता जा रहा है स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी तेजी से फैली कि कथित रूप से बरामद रकम का संबंध रीवा जिले के सेमरिया क्षेत्र की राजनीति से जुड़ा हो सकता है सोशल मीडिया और स्थानीय चर्चाओं में सेमरिया विधायक अभय मिश्रा का नाम भी उछाला गया हालांकि इस संबंध में किसी भी प्रकार की आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है बावजूद इसके राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर लगातार जारी है सबसे बड़ा सवाल इस बात को लेकर उठ रहा है कि यदि वाहन से इतनी बड़ी रकम मिली थी तो आखिर पुलिस ने मामले का खुलासा सार्वजनिक रूप से क्यों नहीं किया आखिर वाहन में क्या था पैसा किसका था कहां से आया था और कहां ले जाया जा रहा था इन सवालों के जवाब आज तक सामने नहीं आ सके हैं पुलिस विभाग के भीतर के कुछ सूत्रों का दावा है कि कार से बड़ी रकम मिलने की सूचना सही थी लेकिन बाद में मामले को दबाने की कोशिश की गई। चर्चाएं यह भी हैं कि वाहन को कथित तौर पर क्लीन चिट देकर छोड़ दिया गया और वह रीवा की ओर रवाना हो गया। यदि मामला पूरी तरह वैध था तो फिर इतनी गोपनीयता क्यों बरती गई यही सवाल अब जनता के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है इस पूरे मामले में अमरपाटन एसडीओपी ख्याति मिश्रा की भूमिका को लेकर भी तरह-तरह की चर्चाएं सामने आ रही हैं। स्थानीय स्तर पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर किसके फोन या दबाव में इतनी बड़ी कार्रवाई पर पर्दा डाल दिया गया। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है लेकिन पुलिस की चुप्पी ने संदेह को और गहरा कर दिया है अब लोगों की निगाहें मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय पर टिकी हैं क्षेत्र में चर्चा है कि क्या पुलिस महानिदेशक इस मामले की निष्पक्ष जांच कराएंगे या फिर यह मामला हमेशा की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा फिलहाल अमरपाटन की यह रहस्यमयी कार और कथित नगदी का मामला जनता के बीच बड़ा सवाल बन चुका है।

रामनगर में नकली खाद बनाने का भंडाफोड़ वायरल वीडियो से मचा हड़कंप, किसानों को बेची जा रही मिलावटी खाद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले के रामनगर क्षेत्र में नकली खाद पैकिंग का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है सतना रोड स्थित केशरवानी ट्रेडर्स में कथित रूप से मिलावटी खाद की पैकिंग किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है वीडियो सामने आने के बाद किसानों में आक्रोश देखा जा रहा है और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं जानकारी के अनुसार एक सजग ग्राहक ने दुकान परिसर में खुली पड़ी संदिग्ध खाद की बोरियों और पैकिंग की गतिविधियों का वीडियो बना लिया। वीडियो में कुछ लोग खाद की बोरियों को दोबारा पैक करते दिखाई दे रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि किसानों को असली ब्रांड के नाम पर नकली और मिलावटी खाद धड़ल्ले से बेची जा रही थी। वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है स्थानीय किसानों का आरोप है कि नकली खाद के कारण फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों प्रभावित हो रहे हैं किसानों ने कहा कि खेती पहले ही बढ़ती लागत और मौसम की मार से जूझ रही है ऐसे में नकली खाद बेचना किसानों के साथ बड़ा धोखा है। किसानों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है मामले में जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से खाद की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें मिल रही थीं, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। आरोप है कि कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती रही, जिससे ऐसे कारोबारियों के हौसले बढ़ते गए वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं किसान संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा।

हेल्दी स्वयंसेवक से ही होगा सशक्त राष्ट्र निर्माण आईएमए सतना ने लगाया नि :शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) सतना द्वारा स्वयंसेवकों के स्वास्थ्य जागरूकता और बेहतर स्वास्थ्य के उद्देश्य से नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया शिविर का आयोजन आईएमए अध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लेकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आर.के. जैन, डॉ. सी.एम. तिवारी एवं डॉ. अद्वैत झा ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। चिकित्सकों की टीम ने स्वयंसेवकों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा रक्तचाप, शुगर और अन्य आवश्यक जांचें कीं। इसके साथ ही प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए आवश्यक परामर्श भी दिया गया चिकित्सकों ने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही समाज और राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव होते हैं स्वयंसेवक समाज सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं इसलिए उनका स्वस्थ रहना बेहद आवश्यक है। शिविर के दौरान नियमित व्यायाम संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया आईएमए अध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय में अनियमित दिनचर्या और बढ़ते तनाव के कारण कई स्वास्थ्य समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना और नियमित जांच कराना अत्यंत जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि आईएमए सतना लगातार जनहित में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहा है और आगे भी इस तरह के आयोजन जारी रहेंगे शिविर में शामिल स्वयंसेवकों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर लोगों को अपनी सेहत के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आईएमए सतना की पहल को समाजहित में सराहनीय कदम बताया कार्यक्रम के अंत में सभी चिकित्सकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में और व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की बात कही गई।

जिला अस्पताल सतना में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के नाम पर अवैध वसूली, बिना रसीद लिए जा रहे पैसे

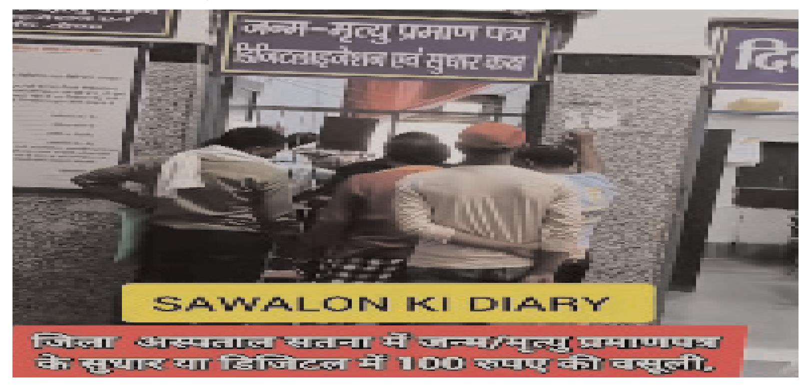

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला अस्पताल सतना में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के डिजिटाइजेशन और सुधार कार्य को लेकर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं आरोप है कि अस्पताल परिसर में संचालित काउंटरों पर हितग्राहियों से प्रत्येक दस्तावेज़ के नाम पर 50 से 100 तक की अवैध वसूली की जा रही है जबकि बदले में किसी प्रकार की वैध रसीद नहीं दी जा रही स्थानीय लोगों और हितग्राहियों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति रसीद मांगता है तो वहां मौजूद कथित दलाल और कर्मचारी उसे टालने लगते हैं लोगों को 15 दिन बाद आना या अगले महीने आना जैसे जवाब देकर परेशान किया जाता है मजबूरी में लोग बिना रसीद पैसे देकर अपना काम करवाने को विवश हो जाते हैं सबसे अधिक परेशानी दूरदराज़ ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले गरीब परिवारों को हो रही है। कई लोग 400 से ?500 तक किराया खर्च कर जिला अस्पताल पहुंचते हैं और लंबे इंतजार के बाद भी काम न होने पर अतिरिक्त पैसे देकर कार्य कराने को मजबूर हो जाते हैं। लोगों का आरोप है कि सरकारी प्रक्रिया के नाम पर खुलेआम सादे कागज के टुकड़े देकर अवैध वसूली की जा रही है मामले को लेकर अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि अस्पताल परिसर में लंबे समय से यह सब चल रहा है तो क्या जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है या फिर यह पूरा खेल उनकी जानकारी में संचालित हो रहा है स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो गरीब और जरूरतमंद लोगों का शोषण इसी तरह जारी रहेगा।अब देखने वाली बात यह होगी कि जिला प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है।

सतना फ्लाईओवर से युवती ने लगाई छलांग गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती, इलाज के दौरान स्टाफ के व्यवहार पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना शहर में उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवती ने फ्लाईओवर से छलांग लगा दी गंभीर रूप से घायल युवती को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा हैझ हालांकि पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी हुई है प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस टीम मौके पर पहुंची और घायल युवती को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों के अनुसार युवती को गंभीर चोटें आई हैं और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है घटना के बाद एक और मामला चर्चा का विषय बन गया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौजूद कुछ चिकित्सकीय कर्मचारियों के व्यवहार को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में कथित रूप से अस्पताल स्टाफ घायल युवती की स्थिति को गंभीरता से लेने के बजाय मजाक करते और हंसते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद लोगों में नाराजगी बढ़ गई है स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर इस प्रकार का व्यवहार बेहद अमानवीय और गैर-पेशेवर है लोगों ने सवाल उठाया कि जहां एक ओर घायल युवती जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही थी वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार कर्मचारी संवेदनशीलता दिखाने के बजाय मजाक करते नजर आए मामले को लेकर अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग से वायरल वीडियो की जांच कर संबंधित कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है अधिकारियों का कहना है कि युवती के बयान और परिवार से पूछताछ के बाद घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जाएगा फिलहाल युवती का इलाज जारी है और उसकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

वट सावित्री पर्व पर सुहागिनों ने की पूजा पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना, शारदा मंदिर क्षेत्र में विशेष आयोजं

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले में शनिवार को वट सावित्री का पर्व परंपरागत श्रद्धा के साथ मनाया गया। शहर के बाबा तालाब स्थित भोलेनाथ मंदिर परिसर और शारदा मंदिर क्षेत्र में सुबह से ही सुहागिन महिलाओं की भीड़ जुटी महिलाओं ने वट वृक्ष पर जल, रोली, अक्षत, फूल और भीगे चने अर्पित कर विधि-विधान से पूजन किया।

कच्चा सूत लपेटकर की परिक्रमा और कथा सुनी: पूजन के दौरान महिलाओं ने वट वृक्ष के चारों ओर कच्चा सूत लपेटकर परिक्रमा की। इस अवसर पर महिलाओं ने सत्यवान-सावित्री की कथा सुनी और अपने पति की लंबी आयु व परिवार की समृद्धि की प्रार्थना की। कई महिलाओं ने इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान निर्जल व्रत भी रखा।

प्रसाद वितरण और बड़ों से लिया आशीर्वाद: पंडितों द्वारा कथा संपन्न कराए जाने के बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को भीगे चने और मिठाई का प्रसाद बांटा। पूजन के पश्चात महिलाओं ने घर के बुजुर्गों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मैहर शहर के साथ-साथ ग्रामीण अंचलों के सार्वजनिक स्थलों पर भी इस पर्व को लेकर उत्साह देखा गया।

11.54 लाख किसानों से 80.90 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का हुआ उपार्जन: खाद्य मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 11 लाख 54 हजार 593 किसानों से 80 लाख 90 हजार 864 मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है उन्होंने बताया है की तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक तथा देयक जारी करने का समय रात 12 तक कर दिया गया है गेहूँ का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन सोमवार से शनिवार तक किया जा रहा है मंत्री राजपूत ने बताया है कि किसानों के हित में गेहूँ उपार्जन की अवधि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई 2026 तक की गई प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल कांटों की संख्या में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिए जाने का निर्णय लिया गया।

पीजेएल नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ नई कार्यकारिणी ने संभाला कार्यभार, उद्घाटन मैच में आरडी-ब्रह्मोस की शानदार जीत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पीजेएल कॉलोनी परिसर स्थित क्रिकेट ग्राउंड में 11 मई को पीजेएल नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता में कुल छह टीमें हिस्सा ले रही हैं, जबकि फाइनल मुकाबला 5 जून को पीजेएल क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के शुभारंभ अवसर पर खिलाड़ियों, अधिकारियों और खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह देखने को मिला कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्लांट हेड मनीष कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन टीम भावना सहयोग और समन्वय को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए शुभकामनाएं दीं वहीं हेड एचआरएम एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स एवं हेड कॉर्पोरेट एचआर डॉ. मनीष कुमार सिन्हा ने कहा कि खेल गतिविधियां कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास के साथ संगठन में सकारात्मक कार्य संस्कृति को भी सुदृढ़ करती हैं उद्घाटन अवसर पर पीजेएल क्लब की नई कार्यकारिणी ने औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया। हाल ही में गठित नई कार्यकारिणी में मनोज कुमार को जनरल सेक्रेटरी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यकारिणी सदस्यों ने खिलाड़ियों के विकास, बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और प्रतियोगिता के स्तर को ऊंचा उठाने का संकल्प लिया टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच आरडी-ब्रह्मोस और वीएस-पृथ्वी टीम के बीच खेला गया पहले बल्लेबाजी करते हुए वीएस-पृथ्वी ने निर्धारित 15 ओवरों में 6 विकेट खोकर 134 रन बनाए। जवाब में आरडी-ब्रह्मोस की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 140 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की। बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्रियव्रत सिंह को 'मैन ऑफ द मैच' पुरस्कार प्रदान किया गया आयोजन स्थल पर कॉलोनीवासियों और खेल प्रेमियों की भारी भीड़ मौजूद रही। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम की जानकारी प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड के डीजीएम सीएसआर एंड पब्लिक रिलेशन देवेन्द्र मिश्रा ने दी।ह्य

प्रधानमंत्री की अपील और वीआईपी काफिले पर उठे सवाल

ईंधन बचत संदेश बनाम बड़े काफिले की चर्चा, सोशल मीडिया पर बहस तेज

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले में 15 मई 2026 को उस समय चर्चाओं का दौर तेज हो गया जब जिले की प्रभारी मंत्री राधा सिंह के आगमन से जुड़ी दो अलग-अलग तस्वीरें और वीडियो सामने आए एक ओर सुबह सामने आई तस्वीर में वे विधायक और जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ एक ही वाहन में नजर आईं जिसे लोग प्रधानमंत्री की ईंधन बचत और सादगी की अपील के समर्थन में सकारात्मक संदेश मान रहे हैं वहीं दूसरी ओर शाम होते-होते सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में कथित तौर पर प्रभारी मंत्री का बड़ा वीआईपी काफिला दिखाई देने का दावा किया गया। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर चर्चाएं तेज हो गईं और लोगों के बीच सवाल उठने लगे कि क्या ईंधन बचत का संदेश व्यवहार में उतारा जा रहा है या यह केवल औपचारिकता बनकर रह गया है गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग और अनावश्यक खर्च कम करने की अपील की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने खुद अपने काफिले का आकार घटाने और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में भी पहल की है इसी बीच मैहर में वायरल वीडियो के बाद स्थानीय नागरिकों में बहस शुरू हो गई है कि नेताओं और अधिकारियों को जनता के सामने उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए लोगों का कहना है कि जब देश आर्थिक चुनौतियों और आयात बिल के दबाव का सामना कर रहा है ऐसे में ईंधन की बचत की दिशा में ठोस कदम जरूरी हैं वहीं कुछ जानकारों का मानना है कि भारत में कच्चे तेल का बड़ा आयात होता है जिससे विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ता है। ऐसे में यदि सरकारी स्तर पर ईंधन की बचत सुनिश्चित की जाए तो इसका सकारात्मक असर अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा भी सादगी और सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने के संदेश दिए जाते रहे हैं। अब जनता यह उम्मीद कर रही है कि मंत्री, विधायक और अधिकारी भी इस दिशा में व्यवहारिक कदम उठाएं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आरएनआई नंएमपीएचआईएन/221/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन नं 947132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmailcom पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।